



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

CB

प्राप्तिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

तं. 205]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 31, 1991/ज्येष्ठ 10, 1913

No. 205)

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 31, 1991/JYAISTHA 10, 1913

इस भाग में खेत्र एवं दस्ता दी जाती हुई विवरों के बहु विवरण के सम्बन्ध में
रखा जा रहा

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कम्पनी विधि बोर्ड

प्रविसुचना

नई दिल्ली, 31 मई, 1991

मा.का.नि. 291 (प्र).—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 108 की उप-धारा (6) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एवं दिल्ली निम्नलिखित विविधियों को निर्मित करता है, नामः—

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. मंथित शीर्षक, प्रारम्भ एवं व्याख्या :—(1) इन विविधियों का नाम कम्पनी विधि बोर्ड विविध, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की मारीच को प्रदूष नहीं।

(3) सामान्य वाक्य अधिनियम, 1897 (1897 का 10) इन विविधियों की व्याख्या के संबंध में उसी प्रकार लागू होता है जिस प्रकार वह किसी केन्द्रीय अधिनियम की व्याख्या में लागू होता है।

2. फ्रिमार्शाएँ :—(1) इन विविधियों में जब तक कि संवर्ग से अन्यथा अप्रक्रित न हो—

(क) “अधिनियम” का अर्थ है कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1)

(ख) “अनुलग्नक” का अर्थ है इन विविधियों का अनुलग्नक

(ग) “आवेदन पत्र” का अर्थ है ऐसा आवेदन पत्र जिसके द्वारा अनुबत्ति कार्यवाही एक स्थायीपूर्ण के समान आरम्भ होती है।

(घ) “अधिकृत प्रतिनिधि” का अर्थ है एक ऐसा अधिकृत जिसे कोई पक्षकार ने विविध 191 के उप नियम (2) के अन्तर्गत अपने प्रतिनिधि के स्वरूप में व्यायपीठ के समान निविदा स्वरूप से प्रतिनिधित्व करते के लिए प्राप्ति किया हो।

(ए) “स्थायीपूर्ण” का अर्थ है अधिनियम की धारा 108 की उप धारा (4) के अन्तर्गत यहि बोर्ड की एक स्थायीपूर्ण।

(ज) “व्यायपीठाधिकारी” का अर्थ है बोर्ड द्वारा निम्न अधिकारीयों के लिए अधिसूचित अधिकारी :—

(इ) आवेदन पत्र प्राप्त करने, उनकी परीक्षा करने और उन पर कार्यवाही जारी करने के लिए

- (ii) इन विनियमों के द्वारा या उनके अन्तर्गत जो प्रथा कार्य सौंपे जायें उन्हें करने के लिए ।
- (ज) "बोर्ड" का अर्थ है अधिनियम की धारा 10जे के अन्तर्गत गठित कम्पनी विधि प्रशासन का बोर्ड ।
- (ज) एक प्रति के संबंध में
- "प्रमाणित का अर्थ है भारतीय साध्य अधिनियम, 1872 (1872 का 1) की धारा 70 के अन्तर्गत जैसा प्रावधान किया गया है उस प्रकार प्रमाणित ।
- (म) "अध्यक्ष" का अर्थ है कम्पनी या बोर्ड का अध्यक्ष ।
- (न) "कम्पनी" में एक विशेषी कम्पनी शामिल है ।
- (ट) "वाचिल किया" का अर्थ है बीठ के कार्यालय में वाचिल किया हुआ ।
- (ठ) "फार्म" का अर्थ है अनुच्छेद 11 में निविष्ट फार्म ।
- (इ) "सदस्य" का अर्थ है बोर्ड का सदस्य ।
- (इ) "एकाधिकार अधिनियम" का अर्थ है एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापार प्रधा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) ।
- (ण) "पीठ का कार्यालय" का अर्थ है पीठाधिकारी का कार्यालय ।
- (त) "पक्ष" का अर्थ है वह व्यक्ति जो पीठ के समक्ष आवेदन पत्र या याचिका दायर करता है, प्रतिवक्षी, कम्पनी रजिस्ट्रार या खेत्रीय निवेशक और उसमें वे लोग भी शरीक हैं जो सुनाव देते हैं या आपत्ति करते हैं ।
- (थ) "याचिका" का अर्थ है एक आवेदन पत्र, अपील या शिकायत जिसके कारण कोई कार्यवाही जो अनुचाली कार्यवाही न हो, पीठ द्वारा प्रारम्भ की जाती है ।
- (ब) "हवाले" का अर्थ है इन विनियमों के विनियम 35, 40 और 42 के अन्तर्गत सामने किया गया हवाला ।
- (घ) 'खेत्रीय निवेशक' का अर्थ है वह व्यक्ति जिसे केन्द्रीय सरकार ने अधिनियम के अधिकार के लिये खेत्रीय निवेशक नियुक्त किया है ।
- (न) "रजिस्ट्रार" का अर्थ है अधिनियम के अन्तर्गत नियुक्त कॉमिटी का रजिस्ट्रार ।
- (य) "मुहरबन्द" का अर्थ है बोर्ड या पीठ की सील द्वारा मुहरबन्द ।
- (र) "सचिव" का अर्थ है बोर्ड का सचिव और इसमें बोर्ड के "अवश्यक विधि" और अन्य अधिकारी जिन्हें विनियम 31 के अन्तर्गत सचिव की शक्तियाँ भी रक्षित मौजे जाय ।
- (म) "धारा" का अर्थ है अधिनियम की एक धारा ।
- (ष) "प्रतिभूति अधिनियम" का अर्थ है प्रतिभूति करार (नियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) ।

(2) इन विनियमों में प्रकट हुए नामे शब्द और अधिकारियाँ जिन्हें उप विनियम (1) में परिभाषित नहीं किया गया हैं वही अर्थ रखेंगे जो अधिनियम में हो ।

प्रधान-II

नामान्य

3. बोर्ड की पीठ का संघटन:—(1) विनियम 4 को शर्तों के तहन, अधिनियम की धारा 10जे का उपधारा (4ब) के अन्तर्गत गठित बोर्ड की प्रत्येक पीठ में एक से अधिक सदस्य होंगे ।

(2) अध्यक्ष द्वारा किसी भी स्थायी पीठ के शर्म का आवेदन उन शक्तियों और कार्यों को निर्दिष्ट करेगा जिनका प्रयोग और सम्भालन पीठ द्वारा किया जायेगा ।

(3) प्रत्येक पीठ के संबंध में, अध्यभारीड के उस सदस्य का उल्लेख करेंगे जिसके समक्ष बोर्ड के अधिकार का अधेश रखने वाले प्रत्येक भास्ते रखे जायेंगे । जो याचिका पर अनियम फैलाने से संबंधित आवेश न होता । और उस प्रकार उल्लिखित सदस्य की अनुपस्थिति में इस प्रकार का प्रत्येक भास्ते भीड के किसी अन्य सदस्य के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा जो उपस्थित होता ।

4. एक स्थायीपौँड द्वारा निपाये जाने वाले मामलों को निदिल करने के बारे में अध्यक्ष की वक्तिः

(1) अध्यक्ष के लिए इम बाल का प्रावधान रहता विधि संगत होगा कि धारा 235, 237, 247, 248, 250, 388 वा, 408 और 409 के अन्तर्गत आने वाले मामले और अधिनियम के धारा 6 के प्रधापाप 4 के अन्तर्गत आने वाले "भास्ते और एकाधिकार अधिनियम के धारा 3के अन्तर्गत आने वाले भास्ते और उनसे संबंधित अरक्ष मानव व्यक्ति दो से कम सदस्यों के पौँड द्वारा, नहीं वेष्ट जानी (जिसे मुख्य पीठ के नाम में आना जायेगा) ।

(2) मुख्य पीठ नई विल्ली में हीगी परन्तु मुख्य न्याय पीठ भारत में ऐसे स्थानों में और ऐसे समय बैठ सकती है जो भारत में इसकी वाहिनी के प्रयोग और कार्यों के संपादन में सर्वाधिक सुविधाजनक हो ।

(3) अध्यक्ष के लिए यह प्रावधान करता विधि संगत होगा कि अधिनियम की धारा III और 269 तथा प्रतिभूति अधिनियम की धारा 22के अन्तर्गत आने वाले मामले ऐसी न्याय पीठ द्वारा देखें जायेंगे जिसमें दो से कम सदस्य न होंगे और इव विनियम के उप विनियम (1) और (2) के अन्तर्गत न आने वाले अन्य मामले विनियम नियुक्त का जारी करना और अन्तर्वार्दी मामले शामिल होने एक न सदस्य वाली पीठ द्वारा देखे जा सकते हैं ।

5. अध्यक्ष के पद की रिक्तता:—यदि फिरा कारण वाला अध्यक्ष का नियुक्त नहीं होता है या उनका पद आवासिक रूप से रिक्त हो जाता है तो बोर्ड का वरिष्ठतम सदस्य, कुछ समय के विधि सदस्य का पैद धारण करते हुए अध्यक्ष के कार्य का सम्भालन उप तक कोई विधि अन्यथा नियुक्त न हो जाये, करता रहेगा ।

6. अध्यक्ष का कार्य संपादन की अनुवर्तीता—जब अवश्य अनुपस्थिति, दीमारी या किसी अन्य कारणों से प्रत्येक कार्य का संग्रह करने से अवश्य हो तो बोर्ड का वरिष्ठतम सदस्य, यदि उसे अवश्य द्वारा देखा प्रधिकार दिया जाये, अध्यक्ष के कार्य का सम्भालन उप तक कोई विधि अन्यथा नियुक्त न हो जाये, करता रहेगा ।

7. पीठ का खेत्राधिकार:—(1) समस्त कार्यवाहियों, मुख्य पीठ के समक्ष विनियम 4 के अन्तर्गत कार्यवाहियों के अतिरिक्त, उस पीठ के समक्ष दायर की जायेगी जिसके खेत्राधिकार में कम्पनी का पंजीकृत आर्यालय स्थित है ।

(2) वे क्षेत्र जहाँ स्थायीपौँड साधारणतया अननी बैठकें करायी उत्तरी क्षेत्र, विशिणी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र हैं जिनके अन्तर्गत आने वाले राज्य और संघ क्षेत्र वे राज्य और प्रिंसिपल क्षेत्र हैं जिन्हें इन विनियमों के अनुबन्ध 1 में दर्शाया गया है ।

(3) साधारणतया पीठे प्रयोगी बैठके कलकत्ता (पूर्वी क्षेत्र), बम्बई (पश्चिमी क्षेत्र), मद्रास, (दक्षिणी क्षेत्र) और नई विल्ली (उत्तरी क्षेत्र) में करायी ।

व्यापत्ति कि पीठ प्रयोगी बैठके उस क्षेत्र में आने वाले किसी भी नगर या कसबे में कर सकती है ।

8. पीठ की भाषा

(1) पीठ की कार्यवाही अंग्रेजी या हिन्दी में की जाएगी ।

(2) कोई भी याचिका, आवेदन पत्र, हृताला, वस्तावेज या भव्य मामले अंग्रेजी या हिन्दी के भलाबा किसी प्रत्य भाषा में बोई द्वारा तब तक स्थीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके साथ उसका अंग्रेजी या हिन्दी में मर्य अनुवाद साथ-साथ न दिया गया हो।

(3) हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद की ओर इन्हें बोई द्वारा नियुक्त या अनुमोदित व्यक्ति द्वारा अनुवाद किया जाएगा।

बगते कि ऐसा कोई भी अनुवाद जिस पर कार्यवाही में संलग्न पश सहमत हो बोई द्वारा उचित प्रकरणों में स्थीकार किया जा सकता है।

(4) पीठ के अमस्त अंतिम या अन्तर्वादी आवेदन अंग्रेजी या हिन्दी में होंगे।

9. अध्यक्ष द्वारा लिए गए सामान्य या विशेष आवेदनों की शर्तों के अन्तर्गत पीठ की बैठक के बारे में निम्न शिवाय, रविवार या साप्तर्षिनिक शूटिंगों के समस्त कार्य विवरणों पर 10.30 पूर्वाह्न से 1.30 अपराह्न और 2.30 अपराह्न से 4.30 अपराह्न तक होंगे।

10. पीठ की अपनी मुहर होगी। (1) बोई की पीठ की एक अलग मोहर होगी।

(2) ऐसी प्रत्येक मोहर सचिव या पीठाधिकारी की सुखा में रखी जाएगी और उसके निर्देश और विवरण में उसका उपयोग होगा।

(3) प्रत्येक दिया गया आवेदन या पत्र जारी की गई सूचना या एक पीठ द्वारा मंजूर की गई प्रमाणित प्रति सम्बन्धित पीठ की मोहर की छाप शुद्ध होगी और ऐसी अवस्था हो, उसे सचिव या पीठाधिकारी द्वारा सत्यापित किया जाएगा।

11. याचिकाओं इत्यादि का लिखित होना (1) प्रत्येक शपथ पत्र, आवेदन पत्र—या याचिका स्वच्छ एवं पठनीय रूप से पूरे आकार के बाबज पर एक ही तरफ बोहरे स्थान के अन्तर पर लिखित, टंकिन, साइलोस्टोइल की कुई या उपर्युक्त भूमि होगी और उस पर अलग-अलग पृष्ठ संख्या ढाली जाएगी।

(2) किसी भी शपथ पत्र, आवेदन पत्र—या याचिका में अक्षर तारीख और संख्या, संख्याओं और शब्दों दोनों में अव्यक्त किए जाएंगे और जहां उनमें लिखित तारीख, ईस्टी, सम्बूद्ध के मनुमार महीं है वहां ईस्टी, सम्बूद्ध की तारीख का भी उल्लेख किया जाएगा।

12. आवेदन पत्र—या याचिका अनुच्छेदों में विभाजित होंगे। प्रत्येक आवेदन पत्र—या याचिका अलग-अलग अनुच्छेदों में विभाजित होंगे जो क्रमांकित किया जाएगा और उसके उपर विवर बहुत कम्पनी का नाम जिसका कि यह है लिखा जाएगा।

13. सामान्य शीर्षक कार्य संख्या 1 में होगा। अधिकतम कार्यवाहियों में, जहां वे योग्यिक हों या अन्तर्वादी और विवाहितों तथा सूचनाओं का सामान्य शीर्षक कार्य संख्या 1 अनुसन्धानक II में होगा।

14. याचिका दायर करने की प्रक्रिया (1) विनियम 35 और 37 की शर्तों की तहत पीठ के लिए एक याचिका अनुसन्धानक II में बताए गए फार्म संख्या 1 में तैयार की जाएगी और याचिकाकर्ता द्वारा स्वयं या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा पीठ के कार्यालय में प्रवृत्त की जाएगी या पालसी सेवत डाक में रजिस्ट्री द्वारा पीठाधिकारी या ऐसी अवस्था हो सचिव के नाम देता जाएगा।

(2) जहां प्रतिपक्षियों भी संख्या एक से अधिक हो, वहां याचिकाकर्ता द्वारा याचिका की जननी प्रतियों प्रस्तुत की जाएगी जितने कि प्रतिपक्षी हों।

वर्षों कि जहां प्रतिपक्षियों भी संख्या पाँच से अधिक हो, वहां सचिव या पीठाधिकारी याचिकाकर्ता को याचिका की प्रतिस्तित प्रतियों प्रतिपक्षियों को नोटिस जारी करने के समय दायर करने की अनुमति दे सकता है।

(3) याचिका कर्ता प्रधिनियम की धारा 49, 79, 80ए, 111, 113, 118, 144, 163, 188, 196, 219, 225, 284, 304, 307 सभा प्रतिपूति प्रधिनियम की धारा 22के भलाबा भव्य सभी हृतालों या याचिकाओं की प्रति सम्बन्धित कम्पनी रजिस्ट्रार को जिसके प्रधिकार क्षेत्र में कम्पनी भारी है देता और अपनी याचिका हृताले के साथ कम्पनी रजिस्ट्रार के कार्यालय की पात्रता भी संलग्न करेगा जिसे याचिका हृताला इस प्रकार दिया गया है।

परन्तु प्रधिनियम की धारा 25 के अन्तर्गत लाइसेन्स शुद्ध कम्पनी धारा 17 के अन्तर्गत दायर की गई याचिका की एक प्रति क्षेत्रीय नियेशक को भी देगी।

प्रधिनियम की धारा 235, 237, 250, 397, 398, 408 और 409 के अन्तर्गत दायर की गई याचिका या प्रिकायत के मामले में उसकी एक प्रति क्षेत्रीय मरकार को भी दी जाएगी।

4. (a) उप विनियम (1) और (2) में कही गई बातों के बाबज पीठ एक से अधिक सोनों की सम्मिलित रूप से याचिका दायर करने की अनुमति के सकती है यदि कार्य कारण तथा मांगी गई राहत को मद्देनजर रखते हुए पीठ इस बात में सत्युष्ट है कि उनका मामले में समान रूप से प्रभित्वा दिया जाएगा।

(b) इस प्रकार की अनुमति उन मामलों में भी दी जाएगी जिनमें याचिकाकर्ताओं का एक ही याचिका में परीक्षा होता अधिनियम द्वारा विशेष रूप में स्वीकार्य है।

5. अधिनियम की धारा 55(क) (9) के अन्तर्गत दायर याचिका के भलाबा भव्य प्रत्येक याचिका के साथ इसे सत्यापित करना हुआ एक अपवाहन होगा और उसे प्रथम पुरुष के द्वय में बनाया जाएगा और वह याचिकाकर्ता का पूरा नाम, आम, अवधारणा और पूर्ण आवासीय पता अप्ल करेगा तथा अपवाहन की तारीख द्वारा हस्ताक्षरित होगा और प्रधिनियम की धारा 558 में निविल अधिकृत के समझ उसकी शपथ दी जाएगी।

6. जहां शपथकर्ता को वह अधिक अधिकृत रूप से नहीं जानता जिसके समझ उपनियम 6 के अन्तर्गत शपथ-पत्र पर शपथ लेनी है तो उसकी शिवाय एक ऐसे अधिकृत द्वारा की जाएगी जिसे वह अधिकृत जिसके समझ शपथ लेनी है जानता हो।

7. उपनियम 6 के अन्तर्गत प्रत्येक शपथ-पत्र स्पष्ट रूप से क्षमा प्रधान-प्रधान उन वक्तव्यों को दिग्गित करेगा जो सत्य हैं:—

(क) शपथकर्ता की जानकारी के अनुसार।

(ख) शपथकर्ता द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार।

(ग) शपथकर्ता के विवास के अनुसार तथा

(घ) कामुकी सलाह के ऊपर आधारित सूचना के अनुसार।

8. जहां उप विनियम (5) में कहा गया कोई वक्तव्य शपथकर्ती के द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार सही कहा गया है, वहां शपथ-पत्र में उस अधिकृत का नाम और पूरा आवासीय पता लिखा जाना चाहिए जिससे कि सूचना शपथकर्ता को मिली है और यह भी लिखा जाना चाहिए कि शपथकर्ता यह विवास का है कि सूचना सही है।

15. याचिका का प्रस्तुतीकरण एवं परीक्षण. (1) पीठ का कार्यालय प्रत्येक याचिका पर उप तारीख को दर्ज करेगा जब याचिका दायर की गई।

(2) यदि जांच के बाद याचिका ठीक पाई जाती है तो इन पंजीकृत किया जाएगा और इस पर कम संख्या ड्रॉली जाएगी।

(3) यदि जांच के बाद याचिका दोषपूर्ण पाई गई और पाया गया दोष केवल रक्षी प्रहृति का है तो सचिव या पीठाधिकारी पक्ष की ओरपनी उपस्थिति में उसमें सुधार देने की अनुमति दे सकता है और यदि वह दोष रक्षी तीर पर नहीं है तो सचिव या पीठाधिकारी याचिकाकर्ता को सुधार करेंगे जो समय उचित समझे उसकी सहमति से दे सकता है।

(4) जहाँ याचिकाकर्ता उपविनियम (3) के अन्तर्गत दिए गए सचिव या न्यायपीठ प्रधिकारी के आदेश से व्यक्ति अविभृत है वहाँ मामला न्यायपीठ के समक्ष आदेश के लिए रखा जाएगा और न्यायपीठ का एकल सदस्य आदायक निदेश जारी करने के लिए सभग होगा जो न्यायपीठ के निवेश माने जायेंगे।

16. याचिका की विषय-बस्तु-विनियम 37 के अन्तर्गत दायर की गई अर्जी के प्राप्तावा प्रत्येक याचिका कंपनी का नाम इसकी हैसियत, नियमन की तारीख इसके पंजीकृत कार्यालय का पता प्रधिकृत पूर्जी विधिवाली कंपनी के विभाजन तथा वरीयता प्राप्त शेयरों की नियमन की खाती, गवर्नर की गई हो, समेत प्रवर्त पूर्जी, सेलेप में सुधूप उद्देश्य, जिनके लिए कम्पनी बनाई गई थी, कम्पनी के बर्तावान व्यापार-कार्य का उल्लेख करेंगी एवं स्पष्ट रूप से इस प्रकार की याचिका के प्राप्तावा का शीर्षक और प्राप्तिशीलता की प्रहृति का भी उल्लेख करेंगी।

17. अन्तर्वेती अर्जी की विषय-बस्तु—याचिका दायर करने के उपरान्त अस्तरिम आदेश या निवेश के लिए दायर की गई अर्जी, जहाँ तक सम्भव हो, प्राप्त अनुलमलक II में होगी और विनियम 14 में बताई गई रीति से सत्यापित करते हुए एक शपथ पत्र से युक्त होगी।

बायते कि अन्तर्वेती अर्जी के विषय-बस्तु—याचिका दायर करने के लिए एक पृष्ठ अर्जी देना आदायक न होगा सिवा याचिका शायर करने के लिए विस्तृत भी कमा करने के लिए यदि, मूल याचिका में, इसकी प्राप्तना की गई हो।

18. (1) याचिका अनुलमलक III निर्धारित वस्तावेजों से युक्त होगी और वस्तावेजों की विषय सूची भी साथ में लगी होगी।

(2) उपविनियम (i) कहे गए वस्तावेज प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सत्यापित किए जा सकते हैं और उन्हें क्रमानुसार चिह्नित किया जायेगा जैसे क-1, क-2, क-3 आदि आदि।

(3) जहाँ याचिका प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा दायर की जाती है, हजारी का आपन याचिका के साथ संलग्न किया जायेगा।

बायते कि जहाँ याचिका एक वकील द्वारा दायर की जाती है यह एक विधिवत् विवाद या वकालतनामा साथ में होगा।

न्यायपीठ के समक्ष उपस्थित होने का प्रकार का अधिकार

19. (1) प्रत्येक प्रकार न्यायपीठ के समक्ष व्यक्तिगत रूप से या एक प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित हो सकता है।

(2) प्रकार लिखित रूप से, एक वकील, जार्डिं एकाउंटेंट या कास्ट और वक्स एकाउंटेंट या एक कंपनी सेकेटरी या पूर्णकानिक तौर पर व्यवसाय में संलग्न सेकेटरी को अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत कर सकता है। एक कंपनी विधिवत् प्राधिकृत करके न्यायपीठ के समक्ष किसी भी कार्यवाही में उपस्थित होने के लिए अपने किसी निदेशक को नियुक्त कर सकती है।

20. बहुत उपाय एक याचिका पूरक कार्यकरण पर प्राप्तारित होगी और एक या एक से अधिक राहतों के लिए प्राप्तना कर सकती है बायते कि वे एक दूसरे से परिणाम स्वरूप जुड़े हों।

21. भूमानी की तामील और न्यायपीठ द्वारा जारी प्रक्रिया : (1 न्यायपीठ) द्वारा जारी की जाने वाली कोई भी भूमानी या प्रक्रिया न्यायपीठ द्वारा निदेशित तीव्र विवेद किसी भी तरीके से तामील की जा सकती है:-

- (1) स्वयं क्राकार द्वारा तामील
- (2) न्यायपीठ के कार्यालय एक संदर्भानुसार द्वारा इसी तामील
- (3) पोस्टल सेटिकिंग के अन्तर्गत डाक द्वारा
- (4) पावरी गृह रजिस्टरी डाक द्वारा यदि न्यायपीठ द्वारा ऐसा आदेश दिया गया हो।
- (5) जहाँ केन्द्रीय सरकार एक पक्षकार, वहाँ संबंधित मंत्रालय या विभाग द्वारा या विधि संबंधित विवालय की संचिवालय द्वारा द्वारा केन्द्रीय सरकार के अधिकारका द्वारा।
- (6) जहाँ राज्य सरकार एक पक्षकार हो वहाँ मुख्य सचिव या राज्य सरकार के अधिकारका द्वारा।

(2) जहाँ एक कंपनी को नोटिस लामोल करना प्रतिक्रिया हो वहाँ इसे वाय 51 में बताए गए तरीकों से तामील किया जायेगा या विदेशी कंपनी के भारतीयों से इसे भारा 596 में बताए तरीके में लामीन करना होगा और इसे किसी दूसे भाष्य लारीके से भी तामील किया जा सकता है जिसका निवेश सचिव या न्यायपीठ प्रधिकारी करे।

(3) उपविनियम (2) में अन्यथा उपबोधित के लियाल कंपनी के भारतावा किसी भाष्य अविभृत को तामील की आने वाली नोटिस या अन्य दस्तावेज इस प्रकार के व्यक्ति या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को बेकर तामील किये जायेंगे, जहाँ वह प्रतिनिधि के माध्यम से हाजिर होता है या कि इसे पावरी पूकत रजिस्टर चिह्नों से उसके अंतिम शात पते पर देजा जायेगा।

(4) जहाँ एक कंपनी गई नोटिस लामीन की गई हो तो सचिव या न्यायपीठ प्रधिकारी यदि पावरी प्राप्त न हुई हो, नोटिस के लामील होने की पर्याप्तता का प्रमाण निर्णय करेंगे।

(5) जहाँ रजिस्टर डाक से गोरी गई नोटिस "इनकार किया" की टिप्पणी के साथ पोस्ट याकिस द्वारा आपस की गई हो तो नोटिस को विविहत तामील गुडा भाना जायेगा।

(6) याचिका या हॉमेले के बारे में न्यायपीठ द्वारा जारी की गई प्रत्येक नोटिस, यदि उसका अर्थात् आदेश न हो, याचिका या हॉमेले जैसी भी बात हो, भी प्रति से युक्त होगी।

(7) उपविनियम (1) से (6) में लिखित किसी बात के बाबजूद जहाँ, किसी भी कारणवारा, समस्त प्रतिविधियों का नोटिस लामीन करना व्यवहारिक नहीं है, जैसा कि प्रत्येक मामले में न्यायपीठ निवेश दे, नोटिस को अंशशास्त्रियों लेनदेनार्था या उनके किसी भी के हितों की रक्षा के लिए सार्वजनिक विभागन द्वारा लामील किया जा सकता है।

(8) ऐसे मामलों में, न्यायपीठ यह तय करेगी कि सार्वजनिक विभागपत्र का अध्य कौन बहन करेगा।

22. (1) याचिका के विरोध का इरावा रखने वाला प्रत्येक प्रतिपक्षी याचिका के उत्तर तथा जिन वस्तावेजों पर वह निर्भर करना चाहता है उनकी सात प्रतिविधि न्यायपीठ के कार्यालय में ऐसी अवधि के भीतर वायर करेगा जिसे न्यायपीठ तय करें। पर यह अवधि नोटिस लामील होने की तारीख से 15 दिन से ज्यादा की न होगी।

(2) उपविनियम (1) के अंतर्गत दायर किये गये उत्तर में प्रतिपक्षी विरोध कर से याचिकाकर्ता याचिका में कहे गए तथ्यों को स्वीकार, इनकार या स्पष्ट करेगा और इस प्रकार के प्रतिविधि तथ्यों का भी उल्लंघन कर सकता है जो मामले में उचित अध्यात्म के लिए आदायक पाये जाय। इस प्रकार वायर किया गया उत्तर विनियम 14 में प्राधिकृत रीति से हस्ताक्षरित और सत्यापित किया जायेगा।

(3) उप-विनियम (1) में संदर्भित वस्तावेज यी उत्तर के साथ दायर किए जाएंगे और उन पर अनुलग्नक ट-1, ट-2, ट-3 आदि आदि अधिकृत किया जायेगा।

(4) प्रतिपक्षी उपविनियम (1) में संबंधित वस्तावेजों की विविधत मत्यापित सत्य प्रतिलिपि समेत उत्तर की प्रति की याचिका कर्ता या उसके प्राविष्ट प्रतिनिधि यदि कोई हो, को तामील करेगा और न्यायपीठ के कायलिय में इस प्रकार की सामूल का साथ्य दायर करेगा।

(5) न्यायपीठ, यदि संतुष्ट हो, तो उत्तर को निर्धारित भविधि के अनुसार ही जाने के बाद दायर करने की अनुमति पर्याप्त कारण दर्शने पर, दे सकती है।

23. याचिकाकर्ता द्वारा प्रति-उत्तर दायर करना:—जहाँ प्रतिपक्षी ऐसे अवसरिक्त तथ्यों का उल्लेख करता है जो विनियम 22 के उप-विनियम (2) के अन्तर्गत समाज के उचित निर्णय के लिए जल्दी हो, वहाँ न्यायपीठ याचिका कर्ता को प्रतिपक्षी द्वारा दायर किए गए उत्तर का प्रति-उत्तर देने की अनुमति दे सकता है। धारा 22 में उल्लिखित प्रक्रिया आवश्यक परिवर्तन के साथ इस प्रकार के उत्तर को दायर करने के बारे में सागू होती।

24. मात्रिकित सुनवाई/साध्य बनाने के लिए न्यायपीठ की जिकित:—न्यायपीठ याचिका पर आदेश पारित करने के पूर्व पक्षकारों या उनमें से एक या एक से भविक को ऐसे मात्रिकित दस्तावेजों या अन्य साक्ष्य जिन्हें न्यायपीठ निम्न अधिक्रेतों के लिए आवश्यक समझे प्रस्तुत करने के लिए कह सकती है:

(क) याचिका में लगाए गए आरोपों के प्रति अपने को संतुष्ट करने के अधिक्रेत से, या

(ख) किसी सूचना को सुनिश्चित करने के लिए जो न्यायपीठ के विचार में याचिका पर आवेदन पारित करने के लिए इसे सभी बनाने के बास्ते आवश्यक है।

25. याचिका की सुनवाई:—न्यायपीठ यदि कार्यकारी याचिका भी भवस्था में पर्याप्त कारण दर्शया जाये, तो पक्षकारों या उनमें से किसी एक को समय दे सकती है और याचिका या अर्जी पर सुनवाई रोक सकती है। न्यायपीठ इस प्रकार के रोक के कारण उपस्थित बच्चे के बारे में जो भी उचित समय वह आदेश पारित कर सकती है। जहाँ कोई पक्षकार उपस्थित नहीं होता वहाँ अपनाये जाने वाली प्रक्रिया।

26.(1) जहाँ याचिका या किसी आवेदन पत्र पर सुनवाई के लिए निश्चित तारीख पर या किसी अन्य तारीख पर जिसके लिए सुनवाई रोक दी गई है, याचिकाकर्ता या आवेदक, जो भी हो, याचिका या आवेदन पत्र पर सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं होता है, न्यायपीठ अपने विवेकानुसार याचिका या आवेदन पत्र को या तो चूक के कारण निरस्त कर सकती है या उसे सुनकर उस पर एक तरफा फैसला दे सकती है।

(2) जहाँ एक याचिका या आवेदन पत्र चूक के कारण निरस्त कर दिया गया हो और याचिका कर्ता या आवेदक निरस्तीकरण के तीस दिन के भीतर अर्जी देता है और न्यायपीठ को इस बात से संतुष्ट करता है कि जब याचिका या आवेदन पत्र सुनवाई के लिए, लिया गया था तो उसके पास मनुपस्थित होने का पर्याप्त कारण था, तो न्यायपीठ याचिका या आवेदन पत्र को निरस्त करते हुए आदेश को रद्द कर सकती है और उसे पुनः स्थापित कर सकती है:

बायते कि जहाँ मामले को गुण-बोध के आधार पर निपटाया गया है वहाँ फैसले को बहला नहीं जायेगा।

(3) जहाँ, सुनवाई के लिए निपत्त तारीख पर या किसी अन्य तारीख पर जिसके लिए सुनवाई रोक दी गई हो याचिका कर्ता याचिका पर गुनवाई के समय उपस्थित नहीं होता है वहाँ न्यायपीठ अपने विवेकानुसार सुनवाई रोक सकती है या याचिका पर एक तरफा सुनवाई करके फैसला दे सकती है।

(4) जहाँ प्रतिपक्षी या प्रतिपक्षियों के विरुद्ध याचिका पर, तरफा सुनवाई हुई है इस प्रकार के प्रतिपक्षी या प्रतिपक्षियों तोम दिन के भीतर न्यायपीठ को इसे रद्द करने के लिए आवेदन कर सकते हैं और यदि प्रतिपक्षी या प्रतिपक्षियों न्यायपीठ को इस बात से संतुष्ट करते हैं कि उस पर या उन पर नोट त्रिविधि तामोन नहीं हुई थी या वह दावे याचिका पर सुनवाई के ममय पर्याप्त कारणोंका उपस्थित होने से अवश्य हो गए ये सो न्यायपीठ उसके या उनके विरुद्ध पारित एक तरफा आदेश को ऐसो गती पर जिसे वह उचित समझे निरस्त कर सकतो है और याचिका पर सुनवाई की तारीख तय करेगी।

बायते कि जहाँ एक तरफा आदेश ऐसा है कि यह केवल एक प्रतिपक्षी के विरुद्ध हो निरस्त नहीं किया जा सकता, तो इसे समस्त प्रतिपक्षियों या किसी प्रतिपक्षी के विरुद्ध निरस्त किया जा सकता है:

बायते कि विनियम 21 के उप-विनियम (7) के अंतर्गत आने वाले मामलों में न्यायपीठ के कारण सुनवाई पर आवेदन की मिरस्त नहीं करेगी कि एक अंग्रेजी या लेनदार को याचिका को सूचना नहीं मिली थी।

27. पुनर्विलोकन:—(1) कोई भी पक्षकार जो यह मानता है कि वह न्यायपीठ द्वारा अभिलेख देखते ही प्रकट होने वाली भूलों वा गलियों के कारण किये गये आवेदन से दुष्कृत है और अपने विरुद्ध किए गए आदेश का पुनर्विलोकन चाहता हो वह उस न्यायपीठ से उक्त आदेश के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन कर सकता है जिसमें आदेश पारित किया है।

(2) पुनर्विलोकन के लिए कोई भी आवेदन पत्र आदेश की तारीख से 30 दिन के बाद नहीं प्रस्तुत किया जायेगा और नहीं ऐसी किसी अर्जी पर विचार किया जायेगा यदि इसके साथ विनियम 14 के अन्तर्गत बताई विविधि के अनुसार आवेदन पत्र को स्थापित करता हुआ शायद पत्र युक्त न हो।

(3) जहाँ न्यायपीठ को यह लगे कि पुनर्विलोकन के लिए पर्याप्त आधार नहीं है, यह आवेदन पत्र को रिस्त कर देती परन्तु जहाँ न्यायपीठ इस विचार की है कि पुनर्विलोकन के लिए की गई अर्जी मंजूर कर देती चाहिए वहाँ यह उसे मंजूर कर देती:

बायते कि ऐसी कोई भी अर्जी विरोधी पक्षकार को उन आदेश के ममर्ते में जिसके पुनर्विलोकन के लिए अर्जी दी गई है समर्थ बनाने के लिए अवश्य विषय बिना मंजूर नहीं की जायेगी।

28. कानूनी प्रतिनिधि का प्रतिस्थापन:—(1) न्यायपीठ के समझ कार्यवाही के लिये रहने के दौरान किसी पक्षकार की भूल हो जाने की अवश्या में मृतक पक्षकार के कानूनी प्रतिनिधि इस प्रकार की मृत्यु के तीस दिन के भीतर रेकार्ड पर आवश्यक पक्षकार की हैमियम से लाये जाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

(2) जहाँ उप-विनियम (1) में निर्धारित समय के प्रत्यंत आवेदन पत्र आपत नहीं होता वहाँ मृत्यु पक्षकार के विरुद्ध कार्यवाही समाप्त हो जायेगी।

बायते कि सुन्वर और पर्याप्त कारणोंया, न्यायपीठ, आवेदन पत्र देने पर समाप्ति का आवेदन के निरस्तीकरण और कानूनी प्रतिनिधियों का प्रतिस्थापन कर सकती है।

29. न्यायपीठ के आदेश:—(1) न्यायपीठ का प्रत्येक आदेश विविध रूप में होगा और वह उस न्यायपीठ के सदस्यों द्वारा हृस्त-अभिन देगा जो आदेश पारित करती है।

(2) न्यायपीठ का कोई भी आदेश जो किसी पक्षका अधिकृत रिपोर्ट या देने में प्रकाशन योग्य पाया जाता है इस प्रकार के प्रत्यंत के लिए उन शर्तों पर विवेकित किया जा सकता है जिन्हें बोहूं संमान या विशेष आदेश निर्धारित करें।

(3) प्रत्येक अन्तरिम राहत को भूजा, घस्तीकार या संशोधित करते हुये प्रत्येक अन्तरिम आवेदन पर किसी याचिका या हक्के ले पर पर किये हुए अन्तिम आवेदन को याचिका या आवेदनकर्ता प्रतिपक्षियों या अन्य सम्बन्धित पक्षकारों को भेजा जायेगा :

बाहरें कि व्यापार 17 के अन्तर्गत पंजीकृत कार्यसिय में परिवर्तन को पुष्ट करते हुए आवेदन के मामलों में आदेश की दो प्रति याचिका देने वाली कम्पनी को निश्चल दी जायेगी ।

(4) यदि याचिकाकर्ता या आवेदक या किसी कार्यवाही का प्रति पक्षकारी को किसी दस्तावेज या कार्यवाही की प्रति की आवश्यकता होती तो उसे वह ऐसी शर्तें और ऐसी कीस देने पर दी जा सकती है जिन्हें न्यायपीठ समान्य या विशेष आदेश द्वारा निर्धारित करे ।

(5) न्यायपीठ ऐसे आवेदन कर सकती है या ऐसे निर्देश देने सकती है जो इसके आदेश को प्रभावित बनाने के लिए या इसकी प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए या न्याय दिलाने के लिए आवश्यक होंगे ।

(6) न्यायपीठ के लिए अपने समझ आये किसी पक्षकार के ऊपर खर्च तथ करना और इसे देने की कहना कानून आवज होगा जहां न्यायपीठ इस विचार की हो कि इस प्रकार का खर्च देने को कहना आवश्यक है ।

30. अभिलेख, पत्र निरीक्षण एवं प्रमाणपत्र प्रतियों की अपूर्ति :-

(1) लिखित रूप से आवेदन पत्र देने तथा प्रतिविन 10 दिनों की दूर से शुल्क देने पर पक्षकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों को प्रत्येक विचाराधीन कार्यवाही या निरीक्षण करने का अधिकार होगा ।

(2) विनियम 29 के उपचिनियम (4) के प्रावधानों की शर्त पर एक व्यक्ति जो कार्यवाही में पक्षकार नहीं है, अन्तिम आवेदन पास हो जाने पर न्यायपीठ की सन्तुष्टि के लिए पर्याप्त कारण देनाने पर याचिका, उत्तरों और प्रत्युत्तरों की प्रतियों ऐसे शुल्क को जिसे न्यायपीठ द्वारा सामान्य या विशेष आवेदन द्वारा तय किया जाए, देने पर प्राप्त कर सकता है ।

(3) एक व्यक्ति जो कार्यवाही में पक्षकार नहीं है न्यायपीठ द्वारा अन्तिम आदेश पास करने के उपरान्त अधिकार स्वरूप आवेदनों की प्रतियों ऐसे शुल्क को, जिसे न्यायपीठ ने किसी सामान्य या विशेष आवेदन द्वारा तय किया हो, देकर प्राप्त कर सकता है ।

(4) सिधा उस अधिकृत के साथ जिनके द्वारा व उन्हें की गई थी या न्यायपीठ के आवेदन के अन्तर्गत एक 'ऐसे व्यक्ति' को जो कार्यवाही में पक्षकार नहीं है कार्यवाही के अभिलेखों के निरीक्षण करने का या साझे में प्रस्तुत प्रदाताओं की प्रतियों प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा ।

31. सचिव की शक्तियां और कार्य

(1) सचिव बोर्ड का शुल्क अधिकारी होगा और अध्यक्ष के नियन्त्रण में अपनी शक्तियों का प्रयोग और कार्यों का सम्पादन करेगा ।

(2) बोर्ड अधिनियम के अन्तर्गत अपने कार्य के सम्पादन में, सचिव से ऐसी सहायता से सकता है जो वह उचित समझे और सचिव बोर्ड को सहायता देने के लिए आवध होगा ।

(3) विशेष रूप से एवं इन नियमों के सामान्य अर्थ पर विना प्रतिकूल प्रभाव दाले सचिव की निम्न शक्तियां होंगी, और वह निम्न कार्यों का सम्पादन करेगा, नामः—

- (क) सचिव के पास प्रधान न्यायपीठ के अभिलेख देंगे;
- (ख) सचिव प्रधान न्यायपीठ से सम्बन्धित सभी याचिकाएं आवेदन पत्र या हक्के ले पर करेगा;
- (ग) सचिव प्रधान न्यायपीठ को प्रधान न्यायपीठ द्वारा प्रयोग किये जाने वाली शक्तियों की कार्यवाही में सहायता करेगा;
- (घ) सचिव के पास सूचना अधिलेख दाने द्वारा और न्यायपीठों के अभिलेखों का निरीक्षण करने या कराने की शक्ति होगी ।

(ज) सचिव प्रधान न्यायपीठ द्वारा पारित आवेदनों को अधिकृत करेगा ।

(च) सचिव प्रधान न्यायपीठ तथा अस्य न्यायपीठों द्वारा पारित आवेदनों का अनुसालन सुलिखित करेगा ।

(छ) बोर्ड की सरकारी सीधे मन्त्रिव की रक्त और नियंत्रण में रहेगी ।

(ज) सचिव को केन्द्रीय नियमार्थ या अस्य कार्यालयों, कम्पनियों और फर्मों या किसी अस्य अक्तिव से ऐसी सूचनाओं को एकत्र करने का जो अधिनियम के अन्तर्गत बोर्ड के कार्यों के कामतापूर्वक सम्पादन के लिये साधप्रद समझी जाये और उन सूचनाओं को बोर्ड के समझ रखने का अधिकार होगा ।

32. न्यायपीठ अधिकारी की शक्तियां एवं कर्तव्यः—इन विनियमों के अन्तर्गत अन्यत्र प्रदत्त शक्तियों के अतिरिक्त सम्बन्धित न्यायपीठ के किसी सामान्य या विशेष आदेश की गती के तहत न्यायपीठ अधिकारी की निम्नलिखित शक्तियां और कर्तव्य होंगे, नामः:

(i) समस्त याचिका और आवेदन पत्रों एवं अस्य दस्तावेजों को स्वीकार करना जिनमें दृस्तावरित आवेदन पत्र शामिल होंगे ;

(ii) पंजीकृत होने के पूर्व याचिकाओं और आवेदन पत्रों की जांच से उत्पन्न समस्त प्रस्तुत कैसला करना ;

(iii) न्यायपीठ के समझ प्रस्तुत किसी भी याचिका या आवेदन पत्र के अधिनियम तथा विनियम के अनुसार संशोधन करना ;

(iv) न्यायपीठ के निवेशों की शर्त पर याचिकाओं या आवेदन पत्रों पर अस्य कार्यवाहियों पर पहली मुनाफाई तय करना और उसकी भूमग्न जारी करना ;

(v) अभिलेख के किसी रस्ती संशोधन का निवेश देना ;

(vi) कार्यवाहियों के पक्षकारों को दस्तावेजों की प्रतियों देने का आवेदन देना ;

(vii) न्यायपीठ के अभिलेखों के निरीक्षण का आवेदन देना ;

(viii) नोटिसों की तारीख या अस्य प्रक्रियाओं को शुल्क करने, नई नोटिसों की तारीख या अस्य प्रक्रियाओं को शुल्क करने, जारी करने की अंजियों और इस अधिकार की अंजियों की वापर करने की तारीख बढ़ाने और उस वापर के पश्चात् विन से अधिक समय न देने और उस समय के बोत जाने पर न्यायपीठ के समझ मामले को प्रस्तुत करने सम्बन्धी समस्त मामलों को निपटाना ;

(ix) याचिका या आवेदन पत्र के विचाराधीन होने के दौरान शुल्क की तारीख से तीव्र दिनों के भीतर शुल्क प्रकारों के प्राधिकृत प्रतिनिधियों के प्रतिस्थापन के लिये आवेदन पत्र स्वीकार करना ,

(x) प्रतिस्थापन के आवेदन पत्र को स्वीकार करना और निपटाना, मिवाय उम स्थिति में जबकि प्रतिस्थापन में समाप्ति के आवेदन का निपट होना निहित होगा;

(xi) पक्षकारों द्वारा दस्तावेजों को आपस करने के बारे में आवेदन पत्रों को स्वीकार करना और निपटाना ।

2. न्यायपीठ अधिकारी के वापर (ii), (iii), (iv) और (vii) के अन्तर्गत किसी फैसले की अपील वृद्धित पक्षकार द्वारा सचिव की इस प्रकार के आवेदन के प्रेषित होने के पश्चात् विन के भीतर कर्ती होनी और उस पर सचिव का फैसला अंतिम होगा ।

33. याचिकाओं एवं आवेदन पत्रों का रजिस्टरः—(1) न्यायपीठ के कार्यालय में वो प्रलग-प्रलग रजिस्टर रखे जायेंगे—एक न्यायपीठ के समझ वापर की गई याचिकाओं के लिये और दूसरा आवेदन पत्रों के लिये ।

(2) प्रत्येक रजिस्टर में, जिसका उल्लेख उपविनियम (1) में किया गया है निम्नलिखित विवरण भरे जायेंगे, नामांगनः—

(क) याचिका या आवेदन पत्र के क्रम संख्या और इसके अधिनियम, आवेदन पत्र के मामले में उस याचिका की क्रम संख्या जिससे यह संबंधित है।

(ख) याचिका या आवेदन पत्र की प्रस्तुति या पावसी की तारीख।

(ग) उस कम्पनी का नाम जिसमें वह संबंधित है।

(घ) याचिका कर्ता या आवेदन कर्ता का नाम और पता।

(ङ) याचिका या आवेदन पत्र के अन्य पक्षकारों का नाम और पता और पक्षकारों के प्राधिकृत प्रतिनिधियों आवाइ कोई हो, फ़ा नाम और पता।

(च) कानून का वह प्रावधान जिसके अन्तर्गत याचिका या आवेदन पत्र बायर किया गया है।

(छ) मांगी गई राहत की प्रक्रिया।

(ज) याचिका या आवेदन पत्र के निपटाये जाने की तारीख।

(झ) न्यायाधीश द्वारा किये गये आवेदन की प्रक्रिया।

(ञ) वह तारीख जब रस्मी आवेदन निर्मित किया गया और पक्षकारों को प्रेषित किया गया।

(ट) पुनर्विलोकन, यदि कोई हो।

(3) प्रति वर्ष के लिये पृष्ठक रजिस्टर ओले जायेंगे और याचिकाओं का प्रत्येक रजिस्टर स्वारूप से सुरक्षित रखा जायेगा और आवेदन पत्रों का रजिस्टर आठ वर्ष के लिये सुरक्षित रहेगा।

34. फीस—(1) अनुसन्धानक III में उल्लिखित अनेक मामलों के बारे में प्रत्येक याचिका भी एक निर्धारित फीस दी जायेगी;

बायते कि कम्पनी रजिस्ट्रार, लेक्ट्रीय निदेशक, या केन्द्रीय सरकार भी नरक से किसी अन्य अधिकारी द्वारा बायर याचिका हक्काले पर कोई कीमत देय या असूल पाने योग्य न होती।

बायते कि किसी ऐसे मामले में जिसमें कार्यवाही बोर्ड न्यूयॉर्क करता हो कोई फीस देय या असूल पाने योग्य न होती।

(2) निर्धारित फीस प्रति अन्याधीशी आवेदन पत्र पर एक सौ लाखे प्रति आवेदन पत्र की दर से लगाई और असूल की जायेगी।

बायते कि कम्पनी रजिस्ट्रार, लेक्ट्रीय निदेशक या केन्द्रीय सरकार की सरक से किसी अन्य अधिकारी द्वारा बायर याचिका या हक्काले पर कोई भी कीमत देय या असूल पाने योग्य न होती।

(3) प्रभान न्यायाधीश या उत्तरी, पूर्वी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों की न्यायाधीशों के नमक बायर याचिका या आवेदन पत्र के बारे में इन विविधियों के अन्तर्गत देय फीस एक बैंक ड्रॉफ्ट द्वारा प्रदान की जायेगी जो बेतन और लेक्का अधिकारी, कम्पनी की याचिका की विधियों के बारे में अनुचित नाम से अनुचित जायेगा।

प्रयाय III

कार्तिपय विषयों के मध्य में विशेष उपबन्ध

35. कम्पनी विधि बोर्ड को हक्काला या अन्याधीशी रजिस्ट्रार द्वारा बोर्ड को प्रेषित अधिनियम भी धारा 621के अन्तर्गत कोई हक्काला या बोर्ड को अधिनियम की धारा 250, 269, 388-ख और 408 के अन्तर्गत प्रेषित कोई हक्काला या एक कम्पनी द्वारा प्रतिशुति अधिनियम की धारा 22की उपबन्धा (4) के अन्तर्गत कोई हक्काला प्राप्त संख्या 3 में एक आवेदन पत्र के रूप में होगा और अनुसन्धानक III में उल्लेख किये गये वस्तावेजों से युक्त होगा।

36. धारा 17 के अन्तर्गत याचिका—(1) कम्पनी, धारा 17 की उपबन्धा (2) के अधीन कोई याचिका दाखिल करने के एक मार्ग से अन्यत धूर्वः

(i) साधारण सूचना कम से कम एक बार उस जिने की, जिसमें कम्पनी का रजिस्ट्रीकून कार्यालय स्थित है, प्रधान भाषा में, उस जिने में प्रशिलित अखबार में भी और कम से कम एक बार अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित और उस जिने में प्रशिलित अखबार में अंग्रेजी में प्रकाशित करेगी। साधारण सूचना में प्रकाशित करेगी। साधारण सूचना में अंग्रेजी का सार स्पष्ट किया जायेगा और यह कथित किया जायेगा कि कोई भी अधिक विसका जापान के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होना सम्भाल्य है सूचना के प्रकाशन की तारीख के इकतीस दिन के भीतर न्यायाधीश के अधिकारी को अपने हित की प्रकृति और याचिका के अव्यवोधक करने के आधारों की सूचित कर सकत, है।

(ii) यदि न्यायाधीश द्वारा प्रत्याया रजिस्ट्रीकून डाक से भेजने की अनुमति नहीं कम्पनी के प्रत्येक डिवेलर धारक और नेतदार पर उपर के बाब्य (i) के अधीन निर्धारित भूचना को व्यक्तिगत रूप से पॉस्टिंग-प्रमाण पत्र द्वारा तामील करेगी।

(iii) जहाँ याचिका में याचिकाकर्ता कम्पनी के रजिस्ट्रीकून कार्यालय को एक राज्य से यूरोपे गाय को से जाने की इच्छा की गई हो वहाँ याचिका, की प्रति के साथ सूचना उस राज्य सरकार के मुख्य भवित्व पर, जिस राज्य में याचिकाकर्ता कम्पनी का रजिस्ट्री-कून कार्यालय स्थित है, या जहाँ कम्पनी का रजिस्ट्रीकून कार्यालय किसी संघ राज्य क्षेत्र में स्थित है, वहाँ उस संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक पर भी तामील की जायगी।

(2) याचिका का विवेद करने का आशाप्रद रखने वाला हर व्यक्ति व्यास्थिति, सूचना की तामील या प्रकाशन की तामील से इक्कीस विन के भीतर ग्राम पत्र द्वारा समर्थित अधिकारों को मुख्य में न्यायाधीश अधिकारी को परिवर्त करेगा या परिवर्त करवायेगा। या रजिस्ट्रीकून डाक द्वारा भेजा और अधिकारों की एक प्रति याचिकाकर्ता कम्पनी के रजिस्ट्रीकून कार्यालय पर नामिन करेगा।

(3) यदि उपविनियम (3) के किसी उपबन्ध के अनुपालन में कोई अवित्तम किया जाता है तो सम्बूद्ध व्यक्ति के बारे में यह सभला जायेगा कि उसने याचिका में प्रत्यावित परिवर्तन के लिए सहमति देती है।

परन्तु न्यायाधीश यदि वह दीक समसे पूर्वोंक्षति समय की समाप्ति के पश्चात भी और इतिमुनबाह्य के पूर्व, किसी भी समय किसी भी व्यक्ति को याचिका कर्ता कम्पनी को सूचना देने के पश्चात अक्षेप दाखिल करने की अनुमति देती है।

(4) याचिकाकर्ता कम्पनी सूचनाओं के भेजे जाने, प्रकाशन और तामिल भी एक ग्राम पत्र द्वारा साक्षित करेगी और ऐसा ग्राम पत्र यद्यों के साथ लाया जायेगा।

(5) धारा 17 में बायर की गई याचिका के अनिष्टार्य रूप से कम्पनी के नदारों की याचिका बायर करने के पूर्व यथासम्बव निकटतम तारीख तक अन्यत भूमि को किसी भी भास्तुत में उपविनियम (8) में कही गई तारीख से दो महीने प्रधिक पहले की न होगी, यथा प्रत्येक घोड़ेव रकम के सम्बन्ध में सूचना होती। याचिका के ग्राम नेतदारों और लिवेन्टर ग्रामों की एक सूची भी संस्कर होगी।

(6) याचिकाकर्ता कम्पनी का सवित, यदि हो, और कम्पनी के दो निदेशकों से अन्यत जिनमें से एक उसका प्रबन्ध निदेशक, यदि कोई हो, क्षेत्र उपविनियम (8) की सूची के बारे में इस आशय के शपथ पत्र द्वारा सत्यापित करेंगे कि उस्होंने कम्पनी के मामले में पूर्ण जागृत करती है और ऐसा करने के पश्चात उनकी यह राय है इस प्रकार सत्यापित सूची सही है, ऐसे घण या वारों को सूची में जो आकामिकता की वश में सदाय है या सुनिष्टित नहीं है, दिए गए प्राक्कलिन मूल्य नम्बर ऐसे घणों और

पासों की पुष्टि कम्पनी की घटियों और अधिकारों से होती है और उसकी जानकारी में कम्पनी के कोई और व्यक्ति या उसके विद्वान् और कोई वाचे मही है।

(7) सेवारों और विद्वन्वर धारकों की उनके नाम, पते और प्रत्येक को देख एक दशानी हुई विधिवान अधिग्राहण मूली भी प्रति कम्पनी के रजिस्ट्रीस्ट कार्यालय में रखी रही और उनके निरीक्षण की बाद रखने वाला कोई अधिकारी वार्ता के सामान्य समय के द्वारा कम्पनी को दस स्पेय संदाय करके उनका निरीक्षण कर सकता है तथा उड़रण में सकता है।

(8) जहाँ कम्पनी रजिस्ट्रार या लेवीय निदेशक का जैसा भी हो, याचिका और उसके विवेद में भी गई याचिका और प्रतिवेदन पर अप्रभाव सुनवाई के लिए नैयार हो, न्यायपीठ उसे उस निमित्त तथानुदा तारीख पर सुनेगी जिसकी सूचना रजिस्ट्रार पर पढ़ कर्गे को विधिवत देगा।

(9) याचिका की सुनवाई पर न्यायपीठ या तो याचिका को अन्तिम रूप में निपटा देगी या ऐसे निदेश दे सकती है जो आवश्यक होगे जिनमें पूरक शपथ पढ़ का दायर करना या प्रतिक्षा अनुबंधी रूपों का अनुपालन शरीक होगा या मामले को रोक सकती है।

37. अधिनियम की धारा 58(8) के अन्तर्गत आवेदन पत्र :—अमाकारी द्वारा धारा 58 की उपधारा (9) के अन्तर्गत दिया गया प्रत्येक आवेदन पत्र फर्मा संदर्भ 4 अनुसन्धान [I] में दो प्रतियों समेत दायर की जाएगी।

38. धारा 397 वर्ष 398 के अन्तर्गत दायर याचिका :—धारा 397 या 398 के अन्तर्गत दायर भी गई याचिका दिना दोई की अन्तर्वित के बाद नहीं ली जायेगी और जन्म याचिका धारा 390 की उपधारा (1) के अन्तर्गत केवल सरकार द्वारा प्राधिकृत सदस्य या मतदायों द्वारा प्रमूल की गई है तापम लेने की याणा के सम्बन्ध में नोटिस केवल सरकार को देनी होगी।

39. धारा 407 के अन्तर्गत याचिका :—धारा 407 की उप धारा (1) के बाद (ख) के अन्तर्गत उसमें बताये गये किसी भी अधिकारी को कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक या अन्य निदेशक या सेवार के नियुक्त होने को अनुमति प्राप्त करने की याचिका यह उल्लेख करेगी कि क्या इस प्रकार की अनुमति प्राप्त करने के प्राप्त यी नोटिस केवल सरकार की दी गई है और इस प्रकार की एक प्रति याचिका के साथ मंगत होती।

40. धारा 621 के अन्तर्गत हवाले :—(1) एक आवार्ड को क्षमा करने के बारे में प्रत्येक आवश्यक पत्र एक कम्पनी द्वारा कम्पनी रजिस्ट्रार को सप्ट हैप से अपराध की प्रकृति, तारीख और समग्र जिसके बीच अपराध किया गया था जारी रखा गया, कम्पनी के अधिकारियों के माम व पते जिन्होंने अपराध किए हैं और की गई प्रार्थना बताते हुए दिया जायेगा।

(2) रजिस्ट्रार आवेदन पत्र को, अपने अधिकार समेत, भोई या लेवीय निदेशक को, जैसा भी हो आवेदन पत्र की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर मैंज देगा।

(3) प्रत्येक लेवीय निदेशक भोई के गामान्य या विभेद आवेदन के तहत एक अपराध को शमा करने की अधिकारी का प्रयोग करेगा।

41. इस विनियमों के प्रावधान जहाँ तक हो सके, एकाधिकार अधिनियम की धारा 2के प्रत्यन्त दायर भी गई याचिकाओं पर भी लागू होगे।

42. प्रतिसूति अधिनियम की धारा 22के प्रत्यन्त लक्षण :—गोड़ों को कोई हवाला करने के मध्यभ्र में इन विनियमों के प्रावधान याचिकाएँ 22की दो उपधारा (4) के अन्तर्गत जो हाल किए जायेंगे उन पर लागू होंगी।

भाग्याय IV

43. समय में बृहि :—जहाँ किसी कृत्य को करने या किसी दस्तावेज या प्रतिवेदन को दायर करने के लिए इन विनियमों द्वारा या इनके अन्तर्गत कोई अवधि तय की गई है या न्यायपीठ द्वारा स्वीकृत भी गई है, न्यायपीठ, अपने विवेकानुसार समय-समय पर इस प्रकार की अवधि को बढ़ा सकती है भले ही इन विनियमों द्वारा या इनके अन्तर्गत तय की गई अवधि या न्यायपीठ द्वारा स्वीकृत अवधि समाप्त हो गई हो।

44. न्यायपीठ की अन्तर्निहित शक्ति की आवृत्ति :—इन विनियमों में किसी बात के सम्बन्ध में यह नहीं समझा जायगा कि वह न्यायपीठ भी उन अन्तर्निहित शक्तियों को सीमित रायका प्रमाणित करती है जो न्याय के उद्देश्य से या न्यायपीठ की आवेदिका को रोकने के लिए आवश्यक हों।

45. आदेशों के संशोधन :—न्यायपीठ द्वारा किए गए आदेशों में भी गई नियमन या गणना सम्बन्धी भले या किसी आकार्यक भूल या किसी भौप से उनमें हुई अशुद्धियों को किसी भी गमय न्यायपीठ द्वारा या तो स्वप्रेरणा से या किसी पक्षकार के आवेदन पर शुद्ध किया जा सकेगा।

46. संशोधन करने की माध्यम शक्ति :—न्यायपीठ किसी भी समय और खर्च के बारे में ऐसे निवन्धनों पर जैसा वह कीक समझे अपने समझ की किसी गांयंवाली में किसी शृंटिया गहरी में संशोधन कर सकता है और सभी आवश्यक संशोधन ऐसी कार्यवाहियों पर उक्ते गये या उन पर आवारित पारस्परिक प्रश्न या विवादिक का अवधारण करने के लिए किए जायेंगे।

47. न्यायपीठ को कनिष्ठ प्रयोगनों के लिए न्यायालय मानना :—न्यायपीठ को, किसी ऐसे अधिकार को असियोजित करने या उड़ देने के प्रयोगन के लिए जो ऐसे न्यायपीठ के किसी निवेदण या आवेदन को जासूझ कर उल्लंघन करता है, न्यायालय माना जायगा।

48. विनियमों की आवश्यकताओं का परिवार करने की शक्ति उम :—शर्तों के लहूत जिनका उल्लेख किया जाये, प्रत्येक न्यायपीठ को, निवित रूप से अधिनिहित कारणों वस, इन विनियमों की आवश्यकताओं के परिवार करने की शक्ति होगी।

49. पुस्तिका का निर्माण :—न्यायपीठ कार्यालय, यदि उचित समझ तो अधिकार वृत्त कर ऐसे पर वकारों से पुस्तिका बनाने को कह सकता है।

[मिसिल संख्या 1/10/88-सी. एन.-५]

कम्पनी विविध भोई की आवश्यक द्वारा
ए. प्रम. चक्रवर्ती, संशस्य (कम्पनी विविध भोई)

अनुसंधानक--I

प्रत्येक क्षेत्र के प्रमुखतम ज्ञाने वाले राज्य/संघ क्षेत्र

[दिविए विनियम 7(1)]

प्रम संघ्या	क्षेत्र	राज्य/संघ क्षेत्र
1.	पूर्वी क्षेत्र	पश्चिमाञ्चल प्रदेश, असम, बिहार, मणिपुर, मेघालय, नागान्द्रेज, उडीसा, बिहार, पश्चिम बंगाल, के राज्य तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एवं मिजोरम के संघ क्षेत्र।
2.	उत्तरी क्षेत्र	हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, के राज्य और बिल्ली तथा चंडीगढ़ के संघ क्षेत्र।
3.	दक्षिणी क्षेत्र	पांच प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिऩ्नाडु, के राज्य तथा पांडिचरी और लकड़ीप के द्वीप समूह।
4.	पश्चिमी क्षेत्र	गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा दादरा और नगर हवेली के संघ क्षेत्र

अनुसंधानक--II

फार्म सं. -- 1

[दिविये विनियम 13 और 14]

कम्पनी ना बोर्ड न्यायपीठ प्रधान न्यायपीठ/
 क्षेत्रीय न्यायपीठ, बम्बई/कलकत्ता/मद्रास/दिल्ली, कम्पनी अधिनियम,
 1956 के विषय में, द्वारा

या
 (जहाँ लागू हो)

एकाधिकार तथा अवशोषक व्यापार प्रधा अधिनियम, 1969, धारा 2क

या

(जहाँ लागू हो)

प्रतिभूति करार (नियम) अधिनियम, 1956 धारा 22क

एवं

..... के विषय में याचिकाकर्ता
 (याचिकाकर्ता का नाम एवं पता लिखिए)

या

(जहाँ लागू हो)

याचिकाकर्ता

बनाम

प्रतिवेदी

याचिका का विवरण

1. कम्पनी का विवरण याचिकाकर्ता हो या
नहीं (देखिए विनियम 10)
2. याचिकाकर्ता के विवरण (लिखने के प्रावधानकर्ता
नहीं हैं (जहाँ याचिकाकर्ता कम्पनी हो)
(नाम, विवरण, पिता, पति का नाम, व्यवसाय, धमा,
पर्याप्त अंशधारी या जमाकर्ता और याचिकाकर्ता का पता)
3. प्रतिवादी का विवरण (लिखने के प्रावधानकर्ता नहीं हैं यदि प्रतिवादी कम्पनी हो) (नाम, विवरण, पिता/पति का नाम, व्यवसाय हैं सहित अपेक्षित अंशधारी
या जमाकर्ता और प्रतिवादी का पता)
4. व्यायामीठ का प्रशिकार क्षेत्र आवेदक घोषित करता है कि याचिका की विषय वस्तु-व्यायामीठ के प्रधिकार क्षेत्र में के भीतर है।

5. परिस्थिति

याचिकाकर्ता आगे घोषित करता है कि याचिका कम्पनी अधिनियम, 1956 की आगे में निर्धारित परिस्थिति के भीतर
(जहाँ लागू हो)।

6. मामले के तथ्य

मामले के तथ्य नीचे लिए गए हैं—

तथ्यों का एक संक्षिप्त विवरण नारीबद्धार, विजिए, प्रत्येक अनुभूति में, जहाँ तक सम्बद्ध हो, एक पृथक् मूल्दा तथ्य या
अन्यथा लिखा हो।

7. मामले को पहले दायर नहीं किया गया है और न ही किसी स्थायालय में यह विचाराधीन है। याचिकाकर्ता आगे घोषणा करता है कि उसके पहले कोई
आवेदन पत्र, याचिका या मुकदमा उस मामले में जिसके बारे में याचिका दायर के गई है, किसी स्थायालय, या ओई की किसी अन्य
व्यायामीठ दायर नहीं का है और न ही ऐसा कोई अर्जी याचिका या मुकदमा उनमें से किसी के समक्ष विचाराधीन है।

यदि याचिकाकर्ता ने पहले कोई आवेदन पत्र, याचिका या मुकदमा दायर किया है तो जिस पर वह विचाराधीन हो और यदि फैसला हो गया हो जो
फैसले का सारांश दिया जाए।

मार्गी गई राहत

8. अनुच्छेद में कहे गये तथ्यों को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता निम्नलिखित राहतों के लिए प्रयोग करता है—
(मार्गी गई राहतों को आधार और कानून, प्रावधान, यदि कोई हो, जिनपर विश्वास किया गया है बताते हुए निर्दिष्ट कोजिए)

9. अन्तरिम आदेश, यदि कोई हो, जिसकी प्रारंभना की गई हो याचिका पर अन्तिम आदेश विचाराधीन होने पर याचिकाकर्ता निम्नलिखित अन्तरिम आवेदनों को
आरोप करने का अनुरोध करता है—
(यहाँ पर अन्तरिम आवेदनों की प्रकृति कारणों समेत बता है)

10. की गई याचिका या आवेदन पत्र के लिए की गई फौज साक्षी रूप में यैक ड्राफ्ट का विवरण —

- (i) यैक नेशनल बैंक की शाखा जिसके लिए उसे लिया गया है—
(शारदृ खण्डा रोड, नई दिल्ली, बेंगलुरु रोड/कलकत्ता/माउंट रोड, मद्रास/फिरोजाह मीहनारा रोड मद्रास)
- (ii) यैक नेशनल बैंक को जारी करने वाली शाखा का नाम।
- (iii) बिमांब ड्राफ्ट संख्या—

नारीब*

राजि*

11. अनुसन्धनकों की सूची

(देखिए विनियम 10 और अनुसन्धनक III)

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

फार्म सं.-2

(वेसिए विनियम 17)

भ्रावेदन पत्र की प्रकीर्ण भ्रावेदन पत्र संक्षया
के मूल्य याचिका सं में

कक्षक भ्रावेदक
(भ्रावेदक/प्रतिवादी)

बनाम

काल्पना प्रतिवादी
(प्रतिवादी/भ्रावेदक)

भ्रावेदन पत्र के संक्षिप्त तथ्य

राहत या प्रार्थना

भ्रावेदक का हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

फार्म संक्षया -3

(वेसिए विनियम-35)

कम्पनी विधि ओई समझ प्रधान न्यायपीठ/शेन्ट्रीय न्यायपीठ बम्बई/कलकत्ता/मद्रास/लहौर विल्सनी ।

..... का हवाला, भ्रावेदन पत्र सं
कम्पनी अधिनियम, 1956/ प्रतिभूति अधिनियम, 1956 के विषय में

एवं

उक्त अधिनियम को धारा के सम्बन्ध में

(कम्पनी का नाम व पता) के विषय में

..... भ्रावेदक

उन व्यक्तियों का नाम और पता लिखिए जिन्हें हवाला का केसला भारत समय सुनवाई का अवसर देना चाहिए ।

टोटः } कृपया हवाला-भ्रावेदन पत्र को उक्ती प्रतियां संलग्न कीजिए जिन्हें की अपर कथित व्यक्ति हो यह विनियम 41 के उपरिनियम (1) की भ्रावेदकताओं पर प्रतिकृत प्रभाव डाले जिना है)

संलग्न दस्तावेजों से उपलब्ध सूचना के माध्यर पर—

- भ्रावेदक एवं दूसरा कम्पनी विधि ओई, प्रधान न्यायपीठ/शेन्ट्रीय न्यायपीठ को कम्पनी अधिनियम, 1956/प्रतिभूति अधिनियम के अन्तर्गत हवाला प्रमुख करनी है । (यहां पर हवाले की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए)

2. आवेदक का निम्न निवेदन है :
(यहाँ पर मामले के संक्षिप्त तथ्यों का वर्णन कीजिए।)
3. आवेदक के निवेदन निम्न प्रकार है :—

(निवेदन)

4. आवेदक ने जिन वस्तावेजों या उनकी प्रतियों को संलग्न किया है ये नीचे निर्विचिट हैं।
5. आवेदक कम्पनी विधि बोर्ड के विशेष आदेश की प्रार्थना करता है :—
(यहाँ पर प्रार्थित आदेश की प्रकृति का वर्णन करें।)

आवेदक का हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

वस्तावेजों की सूचा

- 1.
- 2.
- 3.

फार्म संख्या—4

(वेखिये विनियम 37)

कम्पनी विधि बोर्ड (.....न्यायालीठ के समश्व कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के सम्बन्ध में धारा 56क

एवं

(जमाकर्ता/आवेदक का नाम बताइये) के सम्बन्ध में

एवं

.....लिमिटेड के सम्बन्ध में (कम्पनी का नाम बताइये)

- (i) जमाकर्ता—आवेदक का नाम और पता
- (ii) कम्पनी का नाम और इसके एजिस्टेंट कार्डिलिय का पता
- (iii) जमाकर्ता का नाम पूरे पते समेत
- (iv) जमारार्थि

- (v) स्थरजमाराणि की रसोद की संष्या और तारीख (फॉटो प्रति संलग्न की जाए)
- (vi) जमाराणि कर मर्त और जमाराणि की परिस्करण की तारीख।
- (vii) कम्पनी द्वारा की गई अवायनी, यदि कोई हो, का विवरण।
- (viii) आवेदन पत्र की तारीख पर बास्तविक देय राणि (मुझधन/ब्याज)।
- (ix) कम्पनी और जमकर्ता के बोच किए गए पत्र अवहार, यदि कोई हो, का विवरण।
(पत्र अवहार की प्रति संलग्न की जाए)
- (x) कोई अन्य विवरण जो समीक्षीय समझा जाए
जमकर्ता—आवेदन भलेख प्राप्तना करता है:—
- कि उपरोक्त नाम की कम्पनी को निदेश दिया जाए कि जमाराणि की गार्ही के अनुमार उपरोक्त जमाराणि को व्याज समेत आपस करे।
 - और ऐसे ग्राम के प्रादेश पास किए जाएं जिन्हें कम्पनी विधि ओर्ड माने की परिस्थितियों में उचित समझे।

(आवेदक के हस्ताक्षर)

स्थान:

तारीख:

नोट:—

- आवेदक पत्र के माध्य पत्रात् लघु का एक बैक ड्राफ्ट बतौर कीम संलग्न होगा जिसे बेतन एवं लेखा अधिकारी, कम्पनी कार्य विभाग, नई विल्ली बम्बई/कलकत्ता/मद्रास के नाम पर लिया जायेगा।
- आवेदन पत्र की दो प्रतियां दायर की जायेंगी।

एक याचिका के साथ संलग्न किए जाने वाले वस्तावेज

(देखिये विनियम 18 एवं 34)

प्रनुसारक-III

क्र. सं.	प्रधिनियम की धारा	याचिका की प्रकृति	याचिका के प्रनुसारक
1	2	3	4
1.	17(2)	कम्पनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय को एक राज्य में इसे राज्य में या कम्पनी के उद्देश्यों में परिवर्तन संबंधी संगम ज्ञापन में संशोधन को पुष्ट करने हेतु याचिका।	<ol style="list-style-type: none"> कम्पनी के संगम ज्ञापन और संगम नियम की प्रति। स्पष्टीकरण देते हुए वक्तव्य समेत शीटिंग शुल्कों की नोटिस की प्रति। कम्पनी के मद्दयों द्वारा संशोधन स्वाक्षार करने हेतु विशेष संकल्प की प्रति। उस समा की कारंबाई का विवरण प्रसेष्य जिसमें विशेष संकल्प पारित किया गया है। याचिका मत्यापित करने हेतु शपथ पत्र। आवेदन शुल्क देने का माध्य दिखाने वाला बैक ड्राफ्ट। बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति का आपन या जैसा भी हो वकालतनामा। लेखा परोक्षा को एवं निदेशकों की रिपोर्ट समेत कम्पनी की नव्याम सपरीक्षित तुलनपत्र एवं लाभ-हानि ज्ञाता। समाचार पत्रों की कसरत समेत नोटिस भेजने वाले पुष्ट करना हुआ शपथ पत्र।

1	2	3	4
2. 18(4)	Sangathan के पंजीकरण हेतु दस्तावेजों को दायर करने के लिए समय बढ़ाने का आवेदन पत्र।	10. कम्पनी रजिस्ट्रार थेब्रियल निवेशक और या राज्य सरकार के प्रधान सचिव/प्रशासक, जहाँ भी उन्होंने होता हो, का पावनी रसीद। [विनियम 14(3) द्वारा]।	
3. 17	घारा 17 के अन्तर्गत इए गए आवेदन के सभीकरण हेतु आवेदन पत्र।	1. शपथ पत्र हाया समर्पित आवेदन पत्र। 2. आवेदन शुल्क के साध्य रूप में बैंक ड्राफट। 3. विधिवत शपथ पत्र द्वारा समर्पित शपथ पत्र। 4. आवेदन शुल्क के साध्य रूप में बैंक ड्राफट।	
4. 43	प्राइवेट कम्पनी जनाने वाली शर्तों के अनुपालन में असफलता के कारण उत्पत्त परिणामों से जाहू की प्रारंभिक करने वाली याचिका।	1. संगम ज्ञापन एवं नियमावली की प्रति। 2. यह दर्शाते हुए कि घारा 3 की उपशारा (i) के बाक्य (iii) में निर्धारित शर्तों के अनुपालन में छूट हुई है दस्तावेजों की प्रति। 3. याचिका को समर्पित करता हुआ शपथ पत्र। 4. आवेदन शुल्क के साध्य रूप में बैंक ड्राफट। 5. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति ज्ञापन या जैसा हो, बकालतनामा।	
5. 49(10)	निवेश के रजिस्टर के निरीक्षण करने देने के लिए कम्पनी को निवेश देने हेतु याचिका यदि निरीक्षण करने से मना किया गया हो।	1. निवेश रजिस्टर का कम्पनी द्वारा निरीक्षण मना करने को दर्शाते हुए दस्तावेजी साक्ष्य यदि शोई हो। 2. याचिका को समर्पित करता हुआ शपथ पत्र। 3. आवेदन शुल्क के साध्य में बैंक ड्राफट। 4. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति ज्ञापन या जैसा भी हो बकालतनामा। 5. कम्पनी के साथ किया गया कोई अन्य समीक्षित पत्र अवहार। 6. कम्पनी रजिस्ट्रार से पावनी रसीद [विधिये विनियम 14(1)]।	
6. 58(9)	परिवर्त ज्ञायाशि को वापस करने के लिए कम्पनी को निवेश देने वाली याचिका।	1. ज्ञायाशि की रसीद की प्रति। 2. कम्पनी के किए पर अवहार की प्रति। 3. आवेदन शुल्क के साध्य में बैंक ड्राफट।	
7. 79(2)	डिस्ट्रिक्ट वर नेपर जारी करने को अनुमति के लिए याचिका।	1. संगम ज्ञापन एवं नियमावली की प्रति। 2. स्टॉकरण के व्यक्तिगत समेत मॉटिंग बुलाने वाली नोटिस की प्रति और नियंत्रण की अनुमति देने वाला संकल्प। 3. उस सभी की कार्यवाही का प्रत्येक जिसमें संकल्प पास किया गया। 4. पिछले सीन वर्षों की परिस्थित तुलनात्मक तथा साम हानि खाता परीक्षकों की रपट और निवेशकों की रपट। 5. याचिका को समर्पित करता हुआ शपथ पत्र। 6. आवेदन पत्र वीफास देने के साथ्य में बैंक ड्राफट। 7. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति का ज्ञापन या जैसा हो बकालतनामा।	

1	2	3	4
8. भारा 80क (1) का परमुक	भ्रमुगतान योग्य प्रेफरेन्स शेयरों के बदले प्रतिरिक्त भ्रमुगतान योग्य प्रेफरेन्स शेयरों का जारी करना।		<ol style="list-style-type: none"> संगम ज्ञापन और नियमावली की प्रति। विद्यमान प्रेफरेन्स शेयरों के जारी करने की शर्तों को दर्शाते हुए दस्तावेज़। बोर्ड के संकल्प तथा साम्राज्य समा के संकल्प की प्रति जिनमें द्वारा अनिवार्य प्रेफरेन्स शेयर जारी करने की अनमति दी गई है। नम्यतम परीक्षित तलपत्र तथा गांध आते की संपरीक्षित प्रति संपरीक्षकों एवं निदेशकों की रपट के समेत। याचिका को स्थापित करना हुआ यथ पत्र। आवेदन पत्र की अवायवों का साक्ष देता हुआ बैक द्राफ्ट। बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति का ज्ञापन या बकालतनामा, जैसा भी हो। <p>जहाँ कम्पनी याचिका करती है :</p> <ol style="list-style-type: none"> संगम ज्ञापन एवं नियमावली की प्रति। नम्यतम संपरीक्षित तलपत्र, लाभ हानि खाता संपरीक्षकों तथा नियेंश की रपट। सदस्यों के रजिस्टर उद्घरण की प्राधिकृत प्रति। बोर्ड या उसकी समिति के संकल्प की प्रति (जहाँ लागू होती हो) कोई अन्य समीक्षीन दस्तावेज़। याचिका को स्थापित करने हुए यथपत्र। आवेदन पत्र की अवायवी के साक्ष स्वरूप बैक द्राफ्ट। बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति का ज्ञापन या बकालतनामा जैसा भी हो। याचिका वी दो अतिरिक्त प्रतियाँ। <p>जहाँ किसी अन्य व्यक्तिद्वारा याचिका दायर की गई है :</p> <ol style="list-style-type: none"> याचिका में दिए गए वक्तव्य के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष जिसमें याचिकाकर्ता द्वारा कम्पनी को शेयरों के प्रत्यरूप हेतु लिखा गया पत्र या किसी शेयर पर अधिकार बदलने या डिवैचरों पर प्राधिकार बदलने संबंधी पत्र तथा कम्पनी के इनका रिया खत की एक प्रति भी शरीक होगी। कम्पनी द्वारा यापन किए गए दस्तावेजों की प्रति। कोई अन्य समीक्षीन दस्तावेज़। आवेदन पत्र को स्थापित करता हुआ यथ पत्र। आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साक्ष में बैक द्राफ्ट। उपस्थिति ज्ञापन, बकालतनामा समेत। याचिका की दो प्रति।
9. 111	किसी भी आधार पर जिसमें शेयरों, डिवैचरों के अन्य रण उत्तराधिकार, परिवर्तन कम्पनी द्वारा छनकार शामिल होगा सदस्यों के रजिस्टर के मुद्घार के लिए याचिका।		

1. 2

3

4

10. 113 (1)	डिवेलरों के प्रमाण पत्र भेजने की अवधि बढ़ाने की याचिका।	1. कम्पनी द्वारा जारी किए गए आवंटन पत्र की प्रति । 2. अन्तरण पत्र, यदि है तो । 3. अन्तरण की अनुसति और, या अवधि बढ़ाने की ओर की संकल्प की प्रति । 4. याचिका को सत्यापित करने वाला शपथ पत्र । 5. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साथ में बैंक ड्राफ्ट । 6. नम्यतम संपरीक्षित तत्पत्र, लाभ द्वानि आता, सम्परीक्षकों एवं निवेशकों की रपट समेत । 7. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति ज्ञापन या वकालत-नामा जैसा भी हो ।
11. 113(3)	शेयर डिवेलर प्रमाण पत्रों को जारी करने का प्रावधान करने वाली धारा 113 की उपधारा (1) के अनु-पालन में छूक संबंधी याचिका।	1. कम्पनी द्वारा जारी किए गए आवंटन पत्र की प्रतिलिपि । 2. शेयर या डिवेलरों के अन्तरण के लिए विए जाने के बारे में दस्तावेजी सदूत । 3. कम्पनी के द्वारा 113 की उपधारा (1) की छूक को पूरा करने के बारे में दी गई नोटिस । 4. कोई अन्य समीचीन पत्र अवहार । 5. याचिका को सत्यापित करता शपथ पत्र । 6. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साथ में बैंक ड्राफ्ट । 7. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति ज्ञापन या वकालत-नामा, जैसा भी हो ।
12. 118(3)	स्पास हो की प्रति देने के लिए याचिका ।	1. स्पास होइ जारी करने के लिए कम्पनी को लिखे गये पत्र की प्रति । 2. कम्पनी द्वारा इनकार के खन, यदि कोई हो, की प्रति । 3. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र । 4. आवेदन पत्र की फीस देने के साथ में बैंक ड्राफ्ट । 5. उपस्थिति ज्ञापन वकालतनामा की प्रति के समेत ।
13. 14(1) एवं (3)	कम्पनी रजिस्ट्रार के पास समय बढ़ाने या एक अंत के विवरण उसके संशोधन या समूर्ण को दायर करने के देर की मार्कों के याचिका (अ)	1. अंत बनाने/संशोधित करने, जैसा भी हो, के करार की प्रति । 2. धारा 292 (1) (ख) या (ग) और धारा 292(1) (क), जैसा भी हो, के अन्तर्गत कठित संकल्प की प्रति । 3. अद्यवार की कतरन एवं शपथ पत्र । 4. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र । 5. आवेदन पत्र के साथ में बैंक ड्राफ्ट । 6. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति-ज्ञापन, या जैसा भी हो वकालतनामा ।
14. 144(4)	अंत-मूलन के पत्र और अंत के रजिस्टर का निरीक्षण करने की याचिका ।	1. कम्पनी द्वारा निरीक्षण देने से याचिका [कर्ता को इनकार करने का दस्तावेजी साथ्य, यदि कोई हो] । 2. याचिका को सत्यापित । 3. आवेदन पत्र की फीस के साथ में बैंक ड्राफ्ट । 4. “स्थिति ज्ञापन तथा वकालतनामा की एक प्रति ।

1	2	3	4
15. 163(6)	रजिस्टर और रिटर्न के निरीक्षण के निरेश देने के लिए याचिका।		1. याचिकाकर्ता को कम्पनी द्वारा निरीक्षण करने से इनकार का दस्तावेजी सबूत, यदि कोई हो । 2. याचिका को सत्यापित करने वाला शपथ पत्र 3. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साक्ष्य में बैंक ड्राफ्ट । 4. उपस्थिति शान वकालत नामे के साथ ।
16. 167	याचिक साधारण समा करने या अलाने का निरेश देने के लिए याचिका।		1. आवेदन पत्र को सत्यापित करता हुआ आवैदन पत्र । 2. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साक्ष्य में बैंक ड्राफ्ट ।
17. 186	एक साधारण समा अलाने (याचिक साधारण समा के अन्वावा) को शास्त्र देने के लिए आवेदन पत्र ।		1. आवेदक की हैसियत के सबूत में दस्तावेजी साक्ष्य । 2. याचिका सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र । 3. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साक्ष्य में बैंक ड्राफ्ट । 4. उपस्थिति शापन वकालतनामे के समेत ।
18. 188(5)	यह शास्त्र देने के लिए आवेदन पत्र की प्रदत्त अधिकार का मानहानि पूर्ण मामलों या अनावश्यक प्रचार कर दुलायोग । किया जा रहा है और कम्पनी के खरों को अंकतः या पूर्ण रूपेण अम्बर्यियों द्वारा देने के आदेश देने के बारे में ।		1. याचिका सत्यापित करने हुए शपथ पत्र । 2. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साक्ष्य में बैंक ड्राफ्ट । 3. उपस्थिति-शापन
19. 196(4)	मिनिट पुस्तिका के तस्कान निरीक्षण का आदेश देने या उससे एक प्रति तस्कान जिसे जरूरी हो उस व्यक्ति को देने का निरेश देने के लिए याचिका		1. कम्पनी द्वारा याचिका कर्ता को निरीक्षण करने देने से इनकार करने सम्बन्धी दस्तावेजी सबूत, यदि कोई हो । 2. याचिका सत्यापित करते हुए शपथ पत्र । 3. आवेदन पत्र की फीस अदा करने के साक्ष्य में बैंक ड्राफ्ट । 4. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति शापन या जैसा भी हो वकालतनामा ।
20. 219(4)	यह आदेश की मांगी गई तालपर की प्रति और सम्परीक्षकों की रपट सम्बन्धित व्यक्ति को तस्कान दी जाये पास करने के लिए याचिका ।		1. कम्पनी द्वारा याचिकाकर्ता को निरीक्षण करने देने से इनकार करना वर्ताते हुए दस्तावेजी सबूत, यदि कोई हो । 2. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र । 3. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साक्ष्य में बैंक ड्राफ्ट । 4. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति शाहन या जैसा भी हो वकालतनामा ।
21. 225(3) परम्परुक	यह फैसला करने के लिए याचिका कि क्या सम्परीक्षकों के अपने प्रतिवेदन को प्रचारित कराने और बीटिंग में बदले जाने के अधिकार भाव हानि पूर्ण चीजों के अनावश्यक विश्वापन द्वारा दुष्प्रयोग हो रहा है और कम्पनी के खर्च का आवैश जो अंशतः या पूर्णतः निवर्तमान सम्परीक्षकों द्वारा किया जाएगा ।		1. कम्पनी द्वारा याचिकाकर्ता को निरीक्षण करने देने से इनकार करना वर्ताते हुए दस्तावेजी सबूत यदि कोई हो । 2. याचिका सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र । 3. आवेदन पत्र की फीस अदायगी के साक्ष्य में बैंक ड्राफ्ट । 4. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति शापन या जैसा भी हो वकालतनामा ।

1 2

3

4

22. 235(2)

एक प्रादेश द्वारा यह घोषित करने के लिए याचिका कि कम्पनी के कार्यों की निरीक्षक/निरीक्षकों द्वारा जांच कराई जाय।

1. याचिका में कहे गए वक्तव्यों के समर्थन में बस्तावेजी और/या भव्य सबूत जो उचित रूप से याचिकाकर्ता/कर्ताओं को उपलब्ध हों।

2. याचिकाकर्ता/कर्ताओं की योग्यता एवं हैमियत के सम्बन्ध में दस्तावेजी सबूत प्रत्येक द्वारा धारित मत शक्ति समेत।

3. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र की फीस के साक्ष्य में बैक ट्रापट।

4. प्रावेदन पत्र की फीस के साक्ष्य में बैक ट्रापट।

5. बोर्ड के संकल्प समेत उपस्थिति ज्ञापन या जैमा हो, बकालतनामा।

6. याचिका की तीन अतिरिक्त प्रतियाँ।

23. 250

कठिपय शेयरों के तथ्यों का पता लगाने के लिए किसी व्यक्ति द्वारा गिकायत

1. गिकायत के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य, यदि कोई हो।

2. गिकायत को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र।

3. आवेदन पत्र की फीस के साक्ष्य में बैक ट्रापट।

4. बोर्ड की संकल्प की प्रति समेत उपस्थिति ज्ञापन या बकालतनामा।

24. 284(4) परस्तुक

इस धारा का फैसला करने के लिए याचिका कि क्या एक निवेदक का अपने प्रतिवेदन को प्रसारित करवाने और सभा में पद्धताने के अधिकार का मानहानि पूर्ण मामले की अनावश्यक विज्ञापन कराने के लिए दुल्हन्योग तो नहीं हो रहा है और आवेदन पत्र करने पर कम्पनी को जार्चे का प्रावेश देना जो अंशतः या पूर्णतया इस प्रकार के निवेदक द्वारा देय होगा।

1. कम्पनी द्वारा याचिकाकर्ता को निरक्षण करने वेने से इकार का दस्तावेजी सबूत, यदि कोई हो।

2. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र।

3. आवेदन पत्र की फीस अदा करने साक्ष्य में बैक ट्रापट।

4. उपस्थिति ज्ञापन बोर्ड के संकल्प की प्रति समेत या बकालतनामा।

25. 304(2)(क)

धारा 303 के अन्तर्गत रखे गए रजिस्टर का तत्काल निरीक्षण का निवेदन करने का प्रावेश पास करने के लिए याचिका।

1. कम्पनी द्वारा याचिकाकर्ता को निरीक्षण न करने वेने के बारे में दस्तावेजी साक्ष्य, यदि कोई हो।

2. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र।

3. आवेदन पत्र की फीस अदा करने साक्ष्य में बैक ट्रापट।

4. बोर्ड की संकल्प की प्रति समेत उपस्थिति ज्ञापन या बकालतनामा, जैमा भी हो।

26. 307(9)

इस धारा के अन्तर्गत रखे गये रजिस्टर का तत्काल निरीक्षण का निवेदन पास करने के लिए याचिका

1. कम्पनी द्वारा याचिकाकर्ता को निरीक्षण करने वेने के बारे में दस्तावेजी साक्ष्य, यदि कोई हो।

2. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र।

3. आवेदन पत्र की फीस की अदायगी में बैक ट्रापट।

4. उपस्थिति ज्ञापन बोर्ड के संकल्प की प्रति समेत या बकालतनामा।

27. 397, 398 400, 401, 402, 403, 404, 405

ग्रन्थाचार भौत/या कुप्रबन्ध को रोकने के सम्बन्ध में शक्तियों के प्रयोग के लिए याचिका

1. याचिका में बताए गए वक्तव्यों के समर्थन में दस्तावेज भौत/या भव्य साक्ष्य जो उचित रूप से याचिकाकर्ता को उपलब्ध हो।

2. याचिकाकर्ता/कर्ताओं की योग्यता एवं हैमियत के सम्बन्ध में प्रत्येक द्वारा धारित मत शक्ति समेत दस्तावेजी सबूत।

3. जहाँ याचिका सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की जाती हो, उनके द्वारा दिया गया सहमति पत्र।

4. नाम, पते धारित अंशों की संहता और करा उन सदस्यों द्वारा जिन्होंने घपने बिना पर याचिका प्रस्तुत करने के लिए सहमति दी है ऐवरी पर देय समस्त प्राप्ति राशि दे दी गई है। वर्णाति द्वारा विवरणों का विवरण पत्र ।

5. जहाँ पर बोई याचिका धारा 399 (4) के प्रभावात् केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी सदस्य या सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की जाती है तो केन्द्रीय सरकार इस प्रकार के सदस्य या सदस्यों को प्राधिकृत करने का आदेश इसी प्रकार याचिका के साथ संलग्न किया जाएगा ।

6. याचिका सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र ।

7. आवेदन पत्र की फीस प्रदा करने के राशि में बैंक ड्राफ्ट ।

8. बोई के संकल्प पत्र समेत उपस्थिति ज्ञापन पत्र ।

9. याचिका की तीन अतिरिक्त प्रतियाँ ।

28. 407(1)(ब)

एक प्रबन्ध निवेशक या प्रबन्धक की जिमका करार समाप्त कर दिया गया है या निरस्त गया है वकारों की केन्द्रीय सरकार पर नोटिस तारीख की गई है, नियुक्ति का ग्रन्त-गति स्वीकृत करने के याचिका ।

1. याचिका में कहे गए प्रधिकरणों के समर्थन में दस्तावेजी और/या अन्य सबूत जो याचिकाकर्ता/कर्ताओं के उचित रूप से उपलब्ध हों ।

2. प्रत्येक द्वारा धारित मत शक्ति सहित या याचिकाकर्ता (कर्ताओं) की योग्यता और हैसियत सम्बन्ध में दस्तावेजी सबूत ।

3. जहाँ याचिका सदस्यों की तरफ में दी जानी जाती है, उनके द्वारा दिया गया सहमति पत्र ।

4. नाम, पते, धारित अंशों की संख्या और या उनके सदस्यों द्वारा जिन्होंने, घपने बिना पर याचिका दायर करने की सहमति दी है अंशों के समग्र प्राप्ति राशि या अन्य राशियों दे दी है, वर्णाति हुआ विवरण पत्र ।

5. जहाँ पर याचिका केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 390(4) के शर्तात् प्राधिकृत किसी सदस्य या सदस्यगण द्वारा प्रस्तुत की जाती है वहाँ केन्द्रीय के इस प्रकार के सदस्य या सदस्यगण को प्राधिकृत करने का आदेश इसी प्रकार संलग्न होगा ।

6. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र ।

7. आवेदन पत्र की फीस को प्रदायार्ती के साथ में बैंक ड्राफ्ट ।

8. बोई के संकल्प की प्रति सहित उपस्थिति ज्ञापन या वकारतनामा ।

29. 408(1) और (5)

यह फैसला करने हेतु याचिका कि क्या निवेशकों के द्वारा में सरकारी निवेशक नियुक्त करना ज़रूरी है और तदनुसार केन्द्रीय सरकार को सलाह देना ।

1. याचिका में कहे गए प्रधिवाचन के समर्थन में दस्तावेजी और/या अन्य सबूत जो याचिकाकर्ता (कर्ताओं) को उचित रूप से उपलब्ध हों ।

2. प्रत्येक कीमत सहित समेत याचिका कर्ता (कर्ताओं) की योग्यता और हैसियत के बारे में दस्तावेजी सबूत,

3. याचिका को सत्यापित करता हुआ शपथ पत्र ।

4. आवेदन पत्र की फीस प्रदायार्ती के साथ में बैंक ड्राफ्ट ।

5. बोई के संकल्प की पूर्ति समेत उपस्थिति ज्ञापन या वकारतनामा,

6. याचिका की तीन अतिरिक्त प्रतियाँ ।

1 2 3

4

5

20. 409(1)

कम्पनी पर प्रतिकूल प्रभाव डालने की सम्भावना रखने वाले निवेशकों के बोर्ड में परिवर्तन को रोकने के लिए याचिका।

1. याचिका में कहे गए प्रधिविभागों के समर्थन में दस्तावेजी और या अन्य साकृत जो याचिकाकर्ता/याचिकाकर्तों को उचित रूप में उपलब्ध हों।

2. प्रत्येक शी भव सहित सभेत याचिका कर्ता/कर्ताओं की व्योग्यता और हैमियत के बारे में दस्तावेजी सहित साकृत,

3. याचिका को सत्यापित करता हुआ गणपथ पत्र।

4. आवेदन पत्र की फीस घटायनी के साक्ष्य में बैक ड्राफ्ट

5. बोर्ड के संकल्प को पूर्ति सभेत उपस्थिति विभागन या बकालतनामा।

6. याचिका की तीन अतिरिक्त प्रतियाँ।

1. कम्पनी पर चूक को पूरा करने के लिए तामीलकी गई नोटिस की पूर्ति।

2. नोटिस तामिल करने का दस्तावेजी साकृत।

3. याचिका को सत्यापित करने वाला गणपथ पत्र।

4. बोर्ड के संकल्प सभेत उपस्थितिविभागन या जीसा हो बकालतनामा।

5. आवेदन पत्र की फीस की घटायनी के साक्ष्य बैक ड्राफ्ट।

1. कम्पनी के पास जमा किए गए अतरण पत्र तथा अप्य संलग्न दस्तावेज।

2. अतरणकर्ता/जिसे अतरण किया गया हो/स्टाक वलाल/सम्बद्धित स्टाक एसचेंज से किए गए गल एवं बहार की प्रतियाँ।

3. कम्पनी के पास जमा किए गए अतरण पत्र की प्रमाणित प्रति।

4. प्रतिभूति अधिनियम की धारा 22 क की उपधारा (4) के बाब्त (ब) के अन्तर्गत अन्तरण कर्ता/अतरणीय को दी गई नोटिस।

5. निवेशकों द्वारा बोर्ड अंतरण को पंजीकृत करने इन्वार करने का कारण बताते हुए संकल्प।

6. संगम-जापन तथा नियमावली तथा सम्पर्कित नव्यतम तलपत्र और लाभहानि छाते की तीन [स्थियाँ।

7. कम्पनी की हैमियत के बारे में दस्तावेजी साकृत।

8. याचिका को सत्यापित करता हुआ गणपथ पत्र।

9. आवेदन पत्र की फीस के साक्ष्य में बैक ड्राफ्ट।

10. बोर्ड के संकल्प की प्रति सभेत उपस्थिति हापन।

11. हवाला के अनुसन्धानको सभेत दो अतिरिक्त प्रतियाँ।

1. याचिका में कहे गए प्रधिवालनों के समर्थन दस्तावेजी संयूत जो याचिकाकर्ता (कर्ताओं) को उचित रूप से उपलब्ध हों।

2. याचिका को सत्यापित करता हुआ गणपथ पत्र।

3. आवेदन पत्र के साक्ष्य में बैक ड्राफ्ट।

4. याचिका को तीन अतिरिक्त प्रतियाँ।

31. 614 (1)

रजिस्ट्रार की रिटम आविभेजने में चूक को पूरा करने के लिए कम्पनी को निवेशदेने के बारे में आवेदन पत्र करने के सम्बन्ध में याचिका।

32. प्रतिभूति अधिनियम की धारा 22क
(4)(ग)

प्रतिभूतियों के रजिस्ट्रीकरण/रजिस्ट्रीकरण के बारे में निवेश जारी करने के लिए हवाला।

33. एकाधिकार समूह अधिनियम की धारा (2)क

अन्तर्संबन्ध या एक ही प्रबंध जैसे प्रमोनों का एकाधिकार अधिनियम की धारा (2) के उपबन्धों के अनुमार निर्णय करने का याचिका।

1. याचिका में कहे गए प्रधिवालनों के समर्थन दस्तावेजी संयूत जो याचिकाकर्ता (कर्ताओं) को उचित रूप से उपलब्ध हों।

2. याचिका को सत्यापित करता हुआ गणपथ पत्र।

3. आवेदन पत्र के साक्ष्य में बैक ड्राफ्ट।

4. याचिका को तीन अतिरिक्त प्रतियाँ।

COMPANY LAW BOARD

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 1991

G.S.R. 291(E) --In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of Section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title, commencement and interpretation.—(1) These regulations may be called the Company Law Board Regulation, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) The General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), applies to the interpretation of these regulations as it applies to the interpretation of a Central Act.

2. Definitions.—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (b) "Annexure" means an Annexure to these regulations;
- (c) "application" means an application by which an interlocutory proceeding is commenced before a Bench;
- (d) "authorised representative" means a person authorised in writing by a party under sub-regulation (2) of regulation 19 to function before a Bench as the representative of such party;
- (e) "Bench" means a Bench of the Board formed under sub-section (4B) of Section 10E of the Act;
- (f) "Bench Officer" means an officer notified by the Board for the purpose of—
 - (i) receiving, examining and processing of applications; and
 - (ii) performing such other function as may be entrusted to him by or under these regulations.

- (g) "Board" means the Board of Company Law Administration, constituted under Section 10E of the Act.;
- (h) "Certified" means, in relation to a copy, certified as provided in section 76 of the Indian Evidence Act, 1872 (1 of 1872);
- (i) "Chairman" means Chairman of the Board;
- (j) "Company" includes a foreign company;
- (k) "filed" means filed in the office of the Bench;
- (l) "Form" means a form specified in Annexure II;

- (m) "Member" means a member of the Board;
- (n) "The Monopolies Act" means the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969);
- (o) "Office of the Bench" means the office of the Bench Officer ;
- (p) "party" means a person who files an application or petition before a Bench, the respondent, the Registrar of Companies or the Regional Director and includes any person who has a right under the Act to make suggestions or objections,
- (q) "Petition" means an application, appeal or complaint in pursuance of which any proceeding, not being an interlocutory proceeding is commenced by the Bench ;
- (r) "Reference" means a reference within the meaning of regulations 35, 40 and 42 of these regulations;
- (s) "Regional Director" means a person appointed by the Central Government as a Regional Director for the purposes of the Act;
- (t) "Registrar" means Registrar of Companies appointed under the Act,
- (u) "sealed" means sealed with the seal of the 'Board' or 'Bench';
- (v) "Secretary" means Secretary to the Board and includes "Under Secretary" to the Board and any other officer, by whatever name called, to whom powers and duties of Secretary may be entrusted under regulation 31,
- (w) "Section" means a section of the Act;
- (x) "Securities Act" means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).

(2) Words or expressions occurring in these regulations and not defined in sub-regulation (1) shall bear the same meaning as in the Act.

CHAPTER II

General

3. Composition of Benches of the Board.—(1) Subject to regulation 4, every Bench of the Board formed under sub-section (4B) of Section 10E may consist of one or more members.

(2) The order of the Chairman forming any Bench shall specify therein the powers which shall be exercised and functions which shall be discharged by the Bench.

(3) The Chairman shall, in relation to each Bench formed specify the member of the Bench before whom every matter requiring decision of the Board (not being a matter affecting the final disposal of the petition) shall be placed for orders and in the absence of the member so specified every such matter shall be

placed before any other member of the Bench who is present.

Power of the Chairman to specify matters which may be dealt with by a Bench.

4. (1) It shall be lawful for the Chairman to provide that matters falling under sections 235, 237, 247, 248, 250, 388B, 408 and 409 and matter falling under Chapter VI of Part VI of the Act and under section 2A of the Monopolies Act and all other matters incidental thereto shall be dealt with by a Bench consisting of not less than two members including the Chairman (which shall be known as the Principal Bench).

(2) The Principal Bench shall be at New Delhi but the Principal Bench may sit at such places in India and at such time as may be most convenient in exercise of its powers and functions in India.

(3) It shall be lawful for the Chairman to provide that matters falling under sections 111 and 269 of the Act and under section 22A of the Securities Act shall be dealt with by a Bench consisting of not less than two members and all other matters not falling under sub-regulations (1) and (3) of this regulation including issuing of direction and interlocutory matters may be dealt with by a Bench consisting of a single member.

5. Vacancy in the office of the Chairman.—If, for any reason, the Chairman is not appointed or a casual vacancy occurs in the office of the Chairman, the seniormost member of the Board, holding office of member for the time being, shall discharge the functions of the Chairman until a person is appointed as the Chairman.

6. Inability of the Chairman to function.—When the Chairman is unable to discharge the functions owing to absence, illness or any other cause, the seniormost member of the Board, if so authorised by the Chairman, shall discharge functions of the Chairman until the day on which the Chairman resumes the charge of his functions.

7. Jurisdiction of the Bench.—(1) All proceedings, other than the proceedings before the Principal Bench under regulation 4, shall be instituted before the Bench which in whose jurisdiction the registered office of the company is situated.

(2) The regions where the Benches shall ordinarily have their sittings are the Northern Region, the Southern Region, the Eastern Region and the Western Region, the States and Union Territories falling within each of such region being States and Union Territories as provided in Annexure I to these regulations.

(3) The Benches shall ordinarily have their sittings at Calcutta (Eastern Region), Bombay (Western Region), Madras (Southern Region) and New Delhi (Northern Region) :

Provided that the Bench may, at its discretion, hold its sittings in any other city or town falling within the region.

8. Language of the Bench.—(1) The proceedings of a Bench shall be conducted in English or Hindi.

(2) No petition, application, reference, document or other matter contained in any language other than English or Hindi shall be accepted by the Board unless the same is accompanied by a true translation thereof in English or Hindi.

(3) All documents required to be translated into English or Hindi shall be translated by a person appointed or approved by the Board :

Provided that any translation which is agreed to by the parties to the proceedings may be accepted by the Board in appropriate cases as a true translation.

(4) All final and interlocutory orders of the Bench shall be in English or Hindi.

9. Sitting hours of the Bench.—Sitting hours of the Bench shall ordinarily be from 10.30 a.m. to 1.30 p.m. and from 2.30 p.m. to 4.30 p.m. on all working days except Saturday, Sunday and other public holidays, subject to any general or special order made by the Chairman.

10. Bench to have seal of its own.—(1) There shall be a separate seal of a Bench of the Board.

(2) Every such seal shall be kept in the custody of the Secretary or Bench Officer and shall be used under his direction or control.

(3) Every order or communication made, notice issued or certified copy granted by a Bench shall be stamped with the seal of the concerned Bench and shall be authenticated by the Secretary or the Bench Officer, as the case may be.

11. Petitions, etc., to be in writing.—(1) Every affidavit application, reference or petition shall be written, typewritten, cyclostyled or printed, neatly and legibly, on one side of the substantial paper of foolscap size in double space and separate sheets shall be stitched together and every page shall be consecutively numbered.

(2) Numbers and dates specified in any affidavit, application, reference or petition shall be expressed in figures as well as in words; and, where the date specified therein has not been stated according to the Gregorian Calendar, the corresponding date according to the Gregorian Calendar shall also be specified.

12. Application, reference or petition to be divided into paragraphs.—Every application, reference or petition shall be divided into separate paragraph which shall be numbered serially and shall state thereon the matter, and the name of the company, to which it relates.

13. General heading to be in Form No. 1 in Annexure-II.—The general heading in all proceedings, whether original or interlocutory, and of advertisements and notices, shall be as in Form No. 1 in Annexure-II.

14. Procedure for filing petition.—(1) Subject to the provisions of regulations 35 and 37, a petition to the Bench shall be prepared in Form No. 1 in Annexure-II and presented by the petitioner in person or through authorised representative to the office of the Bench or be sent by registered post with acknowledgement due addressed to the Secretary or Bench Officer of the Bench concerned, as the case may be.

(2) Where the number of respondents is more than one, as many extra copies of the petition as there are respondents shall be furnished by the petitioner;

Provided that where the number of respondents is more than five, the Secretary or Bench Officer may permit the petitioner to file extra copies of the petition at the time of issue of notice to the respondents.

(3) The petitioner shall serve a copy of the reference or petition other than a petition under sections 49, 79, 80A, 111; 113; 118; 163; 188; 196; 219, 225, 284, 304 and 307 of the Act and Section 22-A of the Securities Act, upon the concerned Registrar of Companies having jurisdiction over the company and shall attach to and present with his petition, reference, an acknowledgement from the office of the Registrar of Companies receiving a copy of the petition, reference so served :

Provided that, in the case of a petition under section 17 by a company licensed under section 25 of the Act, the copy of the petition shall also be served upon the Regional Director :

Provided further that, in case of a petition or complaint under sections 235, 237, 250, 397, 398; 408 and 409 of the Act; a copy thereof shall also be served upon the Central Government.

(4) (a) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1) to (2), the Bench may permit more than one person to join together and file a single petition if it is satisfied, having regard to the cause of action and the nature of relief prayed for, that they have a common interest in the matter.

(b) Such permission shall be granted where the joining of the petitioners by a single petition is specifically permitted by the Act.

(5) Every petition other than an application under section 58A(9) of the Act, shall be accompanied by an affidavit verifying the same and shall be drawn up in the first person and shall state the full name, age, occupation and complete residential address of the deponent and shall be signed by the deponent and sworn before the person specified in section 558 of the Act.

(6) Where the deponent is not personally known to the person before whom the affidavit under sub-regulation (5) is sworn, he shall be identified by a person who is known to the person before whom the affidavit is sworn.

(7) Every affidavit under sub-regulation (5) shall clearly and separately indicate the statements which are true to the —

- (a) knowledge of the deponent;
- (b) information received by the deponent;
- (c) belief of the deponent; and
- (d) information based on legal advice.

(8) Where the statement referred to in sub-regulation (7) is stated to be true to the information received by the deponent, the affidavit shall also include the name and complete residential address of the person from whom the information has been received by the deponent and whether the deponent believes that information to be true.

15. Presentation and scrutiny of petition.—(1) The Office of the Bench shall endorse on every petition the date on which it is presented.

(2) If, on scrutiny, the petition is found to be in order, it shall be duly registered and given a serial number.

(3) If the petition, on scrutiny, is found to be defective and the defect noticed is formal in nature, the Secretary or Bench Officer may allow the party to rectify the same in his presence and if the said defect is not formal in nature, the Secretary or Bench Officer may allow the petitioner such time to rectify the defect as he may deem fit.

(4) Where the petitioner is aggrieved by the order made by the Secretary or Bench Officer under sub-regulation (3), the matter shall be placed before the Bench for its order and it shall be competent for a single member of the Bench to issue necessary direction which shall be deemed to be the direction of the Bench.

16. Contents of petition.—Every petition, other than an application filed under regulation 37 shall set forth the name of the Company, with its status, date of incorporation, the address of its registered office, authorised capital, paid-up capital with division of different classes of shares and terms of issue, if any, in the case of preference shares, main objects in brief, for which the company was formed, present business activities of the company, and shall also set forth concisely under distinct heads the grounds for such petition and the nature of relief(s) prayed for.

17. Contents of interlocutory application.—An application filed subsequent to the filing of the petition applying for any interim order or direction shall as far as possible, be in Form No. 2 in Annexure-II and shall be accompanied by an affidavit verifying the application in the manner laid down in regulation 14.

Provided that it shall not be necessary to present a separate application to seek an interim relief or direction, except for condonation of delay in filing the petition, if, in the original petition, the same is prayed for.

18. Documents to accompany the petition.—(1) A petition shall be accompanied by documents as prescribed in Annexure-III and shall be accompanied by an Index of Documents.

(2) Documents referred to in sub-regulation (1) may be attested by the authorised representative and the documents shall be marked serially as Annexure A1, A2, A3 and so on.

(3) Where the petition is filed by the authorised representative, memorandum of appearance shall be appended to the petition :

Provided that where the petition is filed by an advocate, it shall be accompanied by a duly executed Vakalatnama.

19. Rights of a party to appear before the Bench.—(1) Every party may appear before a Bench in person or through an authorised representative.

(2) A party may, by writing, authorise an advocate or a Chartered Accountant or a cost and Works Accountant or a Company Secretary or a Secretary in whole-time practice to function as the representative of such party. A company may also appoint a director of the company to appear, duly authorised in this behalf, in a proceeding before the Bench.

20. Plural remedies.—A petition shall be based upon a single cause of action and may seek one or more reliefs provided that they are consequential to one another.

21. Service of notice and process issued by the Bench.—(1) Any notice or process to be issued by the Bench may be served by any of the following modes directed by the Bench :

- (i) Service by the party itself.
- (ii) by hand delivery (dasti) through a messenger of the Office of the Bench;
- (iii) under certificate of Posting;
- (iv) by registered post with acknowledgement due if so required by an order of the Bench;
- (v) where the Central Government is a party, through the Secretary of the concerned Ministry or Department or through Branch Secretariat of the Ministry of Law or through Standing Counsel of the Central Government;
- (vi) where the State Government is a party, through the Chief Secretary or the Standing Counsel of the State Government.

(2) Where a notice is required to be served on a company, it shall be served in the manner specified in section 51 or, in the case of a foreign company, in the manner specified in section 596, and may also be served in such other manner as the Secretary or the Bench Officer may direct.

(3) Save as otherwise provided in sub-regulation (2), notices and other documents, which are required to be served on any person, other than a company, shall be served by delivering or tendering a copy thereof to such person or his authorised representative, where he appears by such representative or by prepaid registered post, acknowledgement due, addressed to the last-known address of such person.

(4) Where a notice is served by the registered post, the Secretary or Bench Officer may, if the acknowledgement is not received, determine the question as to the sufficiency of the service of the notice.

(5) Where the notice sent by registered post is returned by the post office with the remarks "refused", the notice may be presumed to have been duly served.

(6) Every notice, of the petition or reference issued by the Bench shall, unless otherwise ordered, be accompanied by a copy of the petition or reference, as the case may be.

(7) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1) to (6), where, for any reason whatsoever, it is not reasonably practicable to serve notice of petition on all the respondents, the notice may be

served by public advertisement, as the Bench may in each case direct, for the protection of the interests of the shareholders, creditors or any class of them.

(8) The Bench shall, in such cases, determine who shall bear the cost of the public advertisement.

22. Filing of reply and other documents by the respondents (1) Each respondent intending to contest the petition shall file, in triplicate, the reply to the petition and the documents relied upon with the office of the Bench within such period as may be fixed by the Bench but not exceeding fifteen days of service of petition upon him.

(2) In the reply filed under sub-regulation (1), the respondent shall specifically admit, deny or explain the facts stated by the petitioner in his petition and may also state such additional facts as may be found necessary for the just decision of the case. The reply so filed shall be signed and verified in the manner as provided in regulation 14.

(3) The documents referred to in sub-regulation (1) shall also be filed along with the reply and the same shall be marked as Annexures R1, R2, R3 and so on.

(4) The respondents shall also serve a copy of the reply along with the documents mentioned in sub-regulation (1), duly attested to be true copies on the petitioner or his authorised representative, if any, and file proof of such service with the Office of the Bench.

(5) The Bench may, if so satisfied, allow filing of the reply after the expiry of the prescribed period, on sufficient clause being shown.

23. Filing of counter-reply by the petitioner.—Where the respondent states such additional facts as may be necessary for the just decision of the case under sub-regulation (2) of regulation 22, the Bench may allow the petitioner to file a counter-reply to the reply filed by the respondent. The procedure laid down in regulation 22 shall apply, mutatis mutandis, to the filing of such counter-reply.

24. Power of the Bench to call for further information/evidence. The Bench may, before passing orders on the petition, require the parties or any one or more of them, to produce such further documentary or other evidence as the Bench may consider necessary—

- (a) for the purpose of satisfying itself as to the truth of the allegations made in the petition; or
- (b) for ascertaining any information which, in the opinion of the Bench, is necessary for the purpose of enabling it to pass orders on the petition.

25. Hearing of petition.—The Bench may, if sufficient cause is shown at any stage of the proceeding, grant time to the parties or any of them and adjourn the hearing of the petition or the application. The Bench may make such order as it thinks fit with respect to the costs occasioned by such adjournment.

26. Procedure to be followed where any party does not appear.—(1) Where, on the date fixed for hearing of the petition or any application or on any other date to which such hearing may be adjourned, the petitioner or the applicant as the case may be, does not appear when the petition or the application is called for hearing, the Bench may, in its discretion, either dismiss the petition or the application for default or hear and decide the same ex-parte.

(2) Where a petition or application has been dismissed for default and the petitioner or the applicant files an application within thirty days from the date of dismissal and satisfies the Bench that there was sufficient cause for his non-appearance when the petition or the application was called for hearing the Bench may pass an order setting aside the order dismissing the petition or the application and restore the same :

Provided, however, where the case was disposed of on merit, the decision shall not be recalled.

(3) Where, on the date fixed for hearing or any other date to which such hearing may be adjourned, the petitioner appears but the respondent does not appear when the petition is called for hearing, the Bench, may, in its discretion, adjourn the hearing or hear and decide the petition ex-parte.

(4) Where the petition has been heard ex-parte against the respondent or respondents, such respondent or respondents may apply to the Bench within thirty days for an order to set aside and if the respondent and respondents satisfy the Bench that the notice was not duly served on him or them or that he or they were prevented by any sufficient cause from appearing when the petition was called for hearing, the Bench may make an order setting aside the ex-parte order against him or them on such terms as it thinks fit and shall appoint a date for proceeding with the petition :

Provided that where the ex-parte order is of such nature that it cannot be set aside as against one respondent only, it may be set aside as against all or any of the other respondents also:

Provided further that in cases covered by sub-regulation (7) of regulation 21, the Bench shall not set aside the ex-parte order merely on the ground that a shareholder or a creditor did not have the notice of the petition.

27. Review.—(1) Any party considering itself aggrieved by an order made by the Bench on account of some mistake or error apparent on the face of the record desires to obtain a review of the order made against him, may apply for a review of the order to the Bench which had made the order.

(2) No application for review shall be made after the expiry of a period of sixty days from the date of the order and no such application shall be entertained unless it is accompanied by an affidavit verifying the application in the manner laid down in regulation 14.

(3) Where it appears to the Bench that there is no sufficient ground for a review, it shall reject the

application but, where the Bench is of opinion that the application for review should be granted, it shall grant the same :

Provided that no such application shall be granted without previous notice to the opposite party to enable him to appear and to be heard in support of the order, a review of which is applied for.

28. Substitution of legal representative.—(1) In the case of death of any party during the pendency of the proceedings before the Bench, the legal representatives of the deceased party may apply within thirty days of the date of such death for being brought on record as necessary parties.

(2) Where no application is received within the period specified in sub-regulation (1), the proceedings against the deceased party shall abate :

Provided that, on good and sufficient reasons, the Bench, on application, may set aside the order of abatement and substitute the legal representatives.

29. Order of the Bench.—(1) Every order of the Bench shall be in writing and shall be signed by the member or members constituting the Bench which pronounces the order.

(2) Any order of the Bench deemed fit for publication in any journal, authoritative report or the Press may be released for such publication on such terms and conditions as the Board may specify by general or special order.

(3) A copy of every interim order granting or refusing or modifying interim relief and final order passed on any petition or reference shall be communicated to the petitioner or the applicant and to the respondents and other parties concerned free of cost :

Provided that in the case of an order under section 17 confirming change of registered office, two copies of the order shall be supplied to the petitioner company free of cost.

(4) If the petitioner or the applicant or the respondent to any proceeding requires a copy of any document or proceeding, the same shall be supplied to him on such terms and conditions and on payment of such fee as may be fixed by the Bench by general or special order.

(5) The Bench may make such order or give such direction as may be necessary or expedient to give effect to its order or to prevent abuse of its process or to secure the ends of justice.

(6) It shall be lawful for a Bench to fix, and award, costs to any of the parties before it where it is of opinion that the award of such costs is necessary.

30. Inspection of records and supply of certified copies.—(1) Records of every pending proceedings will be open, as of right, to the inspection of the parties or their authorised representatives, on making an application in writing and on payment of a fee of Rs. 10 per day.

(2) Subject to the provisions of sub-regulation (4) of Regulation 29, a person who is not a party to the proceedings may after the final orders are passed, for sufficient reasons shown to the satisfaction of the Bench obtain copie of the petitions, replies and counter-replies on payment of such fee, as may be fixed by the Bench by general or special order.

(3) A person, who is not a party to the proceedings, may also obtain, as of right, at any time after the final orders are passed by the Bench, copies of the orders, on payment of such fee, as may be fixed by the Bench by general or special order.

(4) A person, who is not a party to the proceedings, has, however, no right to inspect the records of the proceedings or to obtain copies of the Exhibits put in evidence, except with the consent of the person by whom they were produced or under the orders of the Bench.

31. Power and Functions of the Secretary.—(1) The Secretary shall be the Principal Officer of the Board and shall exercise his powers and perform his duties under the control of the Chairman.

(2) The Board, in discharge of its functions under the Act, may take such instance from the Secretary, as it may deem fit, and the Secretary, shall be bound to assist the Board.

(3) In particular and without prejudice to the generality of the provisions of this rule, the Secretary shall have the following powers and perform the following duties, namely,—

- (a) The Secretary shall have the custody of the records of the Principal Bench.
- (b) The Secretary shall receive all petitions, applications or references pertaining to the Principal Bench.
- (c) The Secretary shall assist the Principal Bench in the proceedings relating to the powers exercise by the Principal Bench.
- (d) The Secretary shall have the power to call for information, records and to inspect or cause to be inspected the records of other Benches.
- (e) The Secretary shall authenticate the orders passed by the Principal Bench.
- (f) The Secretary shall ensure compliance of the orders passed by the Principal Bench and other Benches.
- (g) The official seal of the Board shall be in the custody and control of the Secretary.
- (h) The Secretary shall have the right to collect from the Central Government or other offices, companies and firms, or any other persons such information as may be considered useful for the purpose of efficient discharge of the functions of the Board under the Act and place the said information before the Board.

32. Powers and duties of the Bench Officer.—(1) In addition to the powers conferred elsewhere in these Regulations, the Bench Officer shall have the following powers and duties subject to any general or special order of the Bench concerned, namely :—

- (i) to receive all petitions or applications and other documents including transferred applications;
- (ii) to decide all questions arising out of the scrutiny of the petitions and applications before they are registered;
- (iii) to require any petition or application presented to the Bench to be amended in accordance with the Act and the regulations;
- (iv) Subject to the direction of the Bench, to fix the date of first hearing of the petitions or applications or other proceedings and issue notices thereof;
- (v) to direct any formal amendment of records;
- (vi) to order grant of copies of documents to parties to the proceedings;
- (vii) to grant leave to inspect the records of the Bench;
- (viii) to dispose of all matters relating to the service of notices or other processes, applications for the issue of fresh notices and extending the time for filing such applications and to grant time not exceeding fifteen days for filing a reply or rejoinder, if any, and to place the matter before the Bench for appropriate orders after the expiry of the aforesaid period;
- (ix) to receive applications within thirty days from the date of death for substitution of authorised representatives of the deceased parties during the pendency of the petition or application;
- (x) to receive and dispose of applications for substitution except where the substitution would involve setting aside an order of abatement.
- (xi) to receive and dispose of applications by parties for return of documents.

(2) An appeal against any decision by a Bench Officer under clause (ii), (iii), (v) and (vii) shall be made to the Secretary by the aggrieved party within fifteen days from the date such decision is communicated to him and the decision thereon of Secretery shall be final.

33. Registers of petitions and applications.—(1) There shall be kept in the office of the Bench two separate registers, one for the petitions and the other for the applications filed before the Bench.

(2) In every register, referred to in sub-regulation (1), there shall be entered the following particulars, namely,—

- (a) the serial number of the petition or application and in addition, in the case of an application the serial number of the petition to which it relates;

[भाग II—भाग 3(i)]

- (b) the date of presentation or receipt of the petition or application;
- (c) the name of the company to which the matter relates;
- (d) the name and address of the petitioner or applicant;
- (e) the names and addressees of the other parties to the petition or application and the names and addresses of the authorised representatives of the parties, if any;
- (f) the provision of law under which the petition or application is made;
- (g) the nature of the reliefs which have been sought;
- (h) the date of disposal of the petition or application;
- (i) the nature of the order made by the Bench;
- (j) the date when the formal order is drawn up and communicated to the parties;
- (k) review, if any.

(3) Separate registers shall be opened for each year and each register of petitions shall be preserved permanently and each register of application shall be preserved for a period of eight years.

34. Fees.—(1) In respect of the several matters mentioned in Annexure III, there shall be paid fee, for every petition as prescribed.

Provided that no fee shall be payable or shall be liable to be collected on a petition filed or reference made by the Registrar of Companies, Regional Director or by any officer on behalf of the Central Government.

Provided further that no fee shall be payable or shall be liable to be collected in respect of any matter in respect of which proceedings are initiated by the Board on its own motion:

(2) Fee as the prescribed shall be levied and collected on every interlocutory application.

Provided that no fee shall be payable or shall be liable to be collected on an application filed by the Registrar of Companies, Regional Director or by any officer on behalf of the Central Government.

(3) In respect of a petition or application filed before the Principal Bench or the Northern, Eastern, Southern and Western Regional Benches of the Board, fees payable under these regulations shall be paid by means of a bank draft drawn in favour of the Pay and Accounts Officer, Department of Company Affairs, New Delhi|Calcutta|Madras|Bombay, as the case may be.

CHAPTER III

Special provisions relating to certain specific matters;

Reference to Company Law Board.

35. Any reference to the Board by the Registrar of Companies under section 621A of the Act or any reference to the Board by the Central Government

under section 250, 269, 388-B and 408 of the Act or any reference by a company under clause (c) of sub-section (4) of section 22A of the Securities Act shall be made by way of an application in Form No. 3, and shall be accompanied by documents mentioned in Annexure III.

36. Petition under Section 17.—(1) The company shall, not less than one month before filing any petition under sub-section (2) of section 17,—

- (i) publish a general notice at least once in the daily newspaper published in the regional language of the State in which the registered office of the company is situated, and at least once in English, in a daily newspaper published in the English language and circulating in that State clearly indicating therein the substance of the petition and stating that any person whose interest is likely to be affected by the proposed alteration of the memorandum may intimate to the Bench Officer within twenty-one days of the date of the publication of the notice, the nature of interest and the grounds of opposition;
- (ii) serve, by certificate of posting, individual notice(s) to the fact set out in clause (i) above on each debenture-holder and creditor of the company, unless otherwise required by the Bench to be sent by registered post.

(2) Where the petition seeks to change the registered office of the petitioner-company from one State to another, a notice together with the copy of the petition shall also be served by registered post on the Chief Secretary to the Government of the State in which the registered office of the petitioner company is situated, or, where the registered office of company is situated in a Union Territory, to the Administrator|Lt. Governor of the Union Territory.

(3) Any person intending to oppose the petition shall within twenty-one days from the date of service or publication of the notice, as the case may be, deliver, or cause to be delivered, or send by registered post, the objections supported by an affidavit, in original, to the Bench Officer and shall serve a copy of the objections on the petitioner-company at its registered office.

(4) If default is made in complying with any provision of sub-regulation (3), the person concerned shall be deemed to have consented to the alteration proposed in the petition?

Provided that the Bench, may, if it thinks fit even after the final hearing, permit any person to file objections after giving notice to the petitioner-company.

(5) The petitioner-company shall prove the despatch publication and service of notice(s) by an affidavit and such affidavit shall be enclosed with the petition.

(6) A petition under section 17 shall invariably contain information relating to the number of creditors and the total amount due to them upto the latest practicable date preceding the date of filing of the petition and in any case, the date of which the list referred to in sub-regulation (8) is made up, shall not

precede the date of filing the petition by more than two months. A list of creditors and debenture-holders shall also be filed alongwith the petition.

(7) The Secretary of the petitioner-company, if any and not less than two directors of the company one of whom shall be a managing director, where there is one, shall file an affidavit to the effect that they have made a full enquiry into the affairs of the company and, having done so, have formed the opinion that the list referred to in sub-regulation (8) is correct, that the estimated value as given in the list of the debts or claims payable on a contingency or not ascertained are proper estimates of the values of such debts and claims included in the list are borne out by the books and records of the company and that there are no other debts of, or claims against, the company to their knowledge.

(8) Duly authenticated copy of the list of creditors and debenture-holders showing their names, address and the amounts due to each of them shall be kept at the registered office of the company and any person desirous of inspecting the same may, at any time, during the ordinary hours of business, inspect and take extracts from the same on payment of rupees ten to the company.

(9) Where the affidavit in support of the petition and in opposition thereto and the representation, if any, of the Registrar of Companies or Regional Director, as the case may be are ready for hearing, the Bench may hear the same on a date fixed for the purpose and duly intimated to the parties by the Registrar.

(10) At the hearing of the petition, the Bench may either dispose of the petition finally or give such directions as may be necessary including directions for the filing of supplemental affidavits or completion of procedural formalities or adjourn the case.

37. Application under section 58A(9).—Every application made by the depositor under sub-section (9) of Section 58A shall be in Form No. 4 in Annexure II and shall be submitted in duplicate.

38. Petition under section 397 or 398.—A petition under section 397 or 398 shall not be withdrawn without leave of the Board, and where the petition has been presented by a member or members authorised by the Central Government under sub-section (4) of section 399, notice of the application for leave to withdraw shall be given to the Central Government.

39. Petition under section 407.—A petition under clause (b) of sub-section (1) of section 407 for leave to any of the persons mentioned therein as to be appointed or to act as the managing or other director or manager of the company, shall state whether notice of the intention to apply for such leave has been given to the Central Government and shall be accompanied by a copy of such notice.

40. Reference under section 621A.—(1) Every application for compounding of an offence shall be made by a company to the Registrar specifying clearly the nature of offence, the date or period during which the offence was committed or continued, the name and address of officers of the company who have committed the offence and the prayer made.

(2) The Registrar shall forward the application made by the company together with his comments thereon, to the Board or the Regional Director, as the case may be, within 30 days from the date of receipt of the application.

(3) Every Regional Director shall exercise the powers to compound an offence, subject to any general or special order of the Board.

41. Petition under section 2A of the Monopolies Act.—Provisions of these regulations, as regards may be, apply to the petitions made under section 2A of the Monopolies Act.

42. Reference under section 22A of the Securities Act.—Provisions of these regulations, as regards making of any reference to the Board, shall apply, mutatis mutandis, to a reference that may be made under clause (c) of sub-section (4) of section 22A of the Securities Act.

CHAPTER IV

Miscellaneous

43. Enlargement of time.—Where any period is fixed by or under these regulations, or granted by a Bench, for the doing of any act, or filing of any documents or representation, the Bench may, in its discretion, from time to time, enlarge such period, even though the period fixed by or under these regulations or granted by the Bench may have expired.

44. Saving of inherent power of the Bench.—Nothing in these rules shall be deemed to limit or otherwise affect the inherent power of the Bench to make such orders as may be necessary for the ends of justice or to prevent abuse of the process of the Bench.

45. Amendment of order.—Clerical or arithmetical mistakes in orders made by the Bench or errors arising therein from any accidental slip or omission may, at any time, be corrected by the Bench either of its own motion or on the application of any of the parties.

46. General power to amend.—A Bench may, at any time, and on such terms as to costs or otherwise, as it may think fit, amend any defect or error in any proceeding before it; and all necessary amendments shall be made for the purpose of determining the real question or issue raised by or depending on such proceeding.

47. Bench to be deemed to be a Court for certain purposes.—A Bench shall be deemed to be a Court or lawful authority for the purpose of prosecution or punishment of a person who wilfully disobeys any direction or order of such Bench.

48. Power to dispense with the requirement of the regulations.—Every Bench shall have power, for reasons to be recorded in writing, to dispense with the requirements of any of these regulations, subject to such terms and conditions as may be specified.

49. Preparation of paper book.—The Bench Officer, if it so deemed fit, may call upon the parties to prepare a paper book after completion of the pleadings.

[File No. 1/10/88-CL.V|CLB|Admn.|91]
By Order of the Company Law Board,
A. M. CHAKRABORTI, Member, (Company Law Board)

Annexure-I

States/Union Territories falling under each Region
 [See regulation 7 (2)]

Sl. No.	Region	States/Union Territories
1.	Eastern Region	States of Arunachal Pradesh, Assam, Bihar, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Orissa, Tripura, West Bengal and Union Territories of Andaman and Nicobar Islands and Mizoram.
2.	Northern Region	States of Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh and Union Territories of Delhi and Chandigarh.
3.	Southern Region	States of Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala, Tamil Nadu and Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep Islands.
4.	Western Region	States of Goa, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra and Union Territory of Dadra & Nagar Haveli.

Annexure-II

FORMS

FORM NO. 1

[See regulations 13 and 14]

BEFORE THE COMPANY LAW BOARD, PRINCIPAL BENCH/
REGION BENCH, BOMBAY/CALCUTTA/MADRAS/NEW DELHI.

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956, SECTION

OR

(Where applicable)

THE MONOPOLIES AND RESTRICTIVE TRADE PRACTICES ACT, 1969, SECTION 2A

OR

(Where applicable)

THE SECURITIES CONTRACTS (REGULATION) ACT, 1956 SECTION 22A

AND

IN THE MATTER OF

(State the name and registered office address of the company)

AND

IN THE MATTER OF (Petitioner)

(State the name and address of the petitioner)

OR

(Where applicable)

AB

.... Petitioner(s)

Versus

CD

.... Respondent(s)

Details of petition :

1. Particulars of the company, whether petitioner or not
 (See regulation 16)
2. Particulars of the petitioner(s) (need not be stated where company is the petitioner)
 [Name, description, father's/husband's name, occupation, capacity, i.e. qua shareholder, qua depositor and address of the petitioner(s)]
3. Particulars of respondent(s) [need not be stated where company is the respondent/(Name, description, father's/husband's name, occupation, capacity, i.e. qua shareholder, qua depositor and address of the respondent(s))]
4. Jurisdiction of the Bench
 The petitioner declares that the subject matter of the petition is within the jurisdiction of the Bench.

5. Limitation

The petitioner further declares that the petition is within the limitation laid down in section of the Companies Act, 1956
(where applicable).

6. Facts of the case are given below :

(Give here a concise statement of facts in a chronological order, each paragraph containing as nearly as possible a separate issue, fact or otherwise).

7. Matters not previously filed for pending with any other Court.

The petitioner further declares that he had not previously filed any application, writ petition or suit regarding the matter in respect of which this petition has been made, before any court of law or any other authority or any other Bench of the Board and not any such application, writ petition or suit is pending before any of them.

In case the petitioner had previously filed any application, writ petition or suit, the stage at which it is pending and if decided, the gist of the decision should be given.

8. Relife(s) sought.

In view of the facts mentioned in para..... above, the petitioner prays for the following relief(s) :

[Specify below the relief(s) sought explaining the ground for relief(s) and the legal provisions (if any) relied upon].

9. Interim order, if any, prayed for.

Pending final decision on the petition, the petitioner seeks issue of the following interim order :

(Give here the nature of the interim order prayed for with reasons).

10. Particulars of Bank Draft evidencing payment of the fee for the petition of application made :

(i) Branch of Punjab National Bank on which drawn
(Barakhamba Road, New Delhi/Brabourne Road, Calcutta/
Mount Road, Madras/Phiroz Shah Mehta Road, Bombay)

(ii) Name of the issuing Branch of Punjab National Bank

(iii) Demand Draft No.
Date
Amount Rs.

11. List of enclosures

[See regulation 18 and Annexure III]

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

Signature of the Petitioner.

FORM NO. 2

(See regulation 17)

Misc. Application No. of
in

Original Petition No. of

XXX

Versus

YYY

.... Applicant

[(Applicant/Respondent)]

.... Respondent

[(Respondent/Applicant)]

Brief facts leading to the application.
Relief or prayer.

Signature of the Applicant

Signature of the
Authorised Representative.

Place :

Date :

FORM NO. 3

(See regulation 35)

BEFORE THE COMPANY LAW BOARD, PRINCIPAL BNCH/REGIONAL BENCH,
BOMBAY/CALCUTTA/MADRAS/NEW DELHI.REFERENCE APPLICATION NO. of.....
IN THE MATTER OF THE COMPANIES ACT, 1956/SECURITIES ACT

AND

IN THE MATTER OF SECTION..... OF THE SAID ACT.

IN THE MATTER OF
(Name and address of the Company)

AND

IN THE MATTER OF
(Name and address of the Applicant)

APPLICANT

State the name and address of the persons who should be given opportunity of being
heard in dealing of the reference.(Note : Please enclose as many additional copies of the reference application as there are persons as abovenamed. This
is without prejudice to the requirements of sub-regulation (1) of regulation 41).

On the basis of the information available from the documents annexed hereto—

1. The applicant hereby makes reference to the Company Law Board, Principal Bench/Regional Bench, under section of the Companies Act, 1956/Securities Act. (Here state the nature of reference).
2. The applicant states as follows :
(Here set out the brief facts of the case).
3. The submissions of the applicant are as follows :
(Submissions).
4. The applicant has annexed hereto the documents or copies thereof as specified below :
5. The applicant is seeking specified order of the Company Law Board (Here specify the nature of the order sought for).

Signature of the applicant,

Place :

Date :

List of Documents :

- 1.
- 2.
- 3.

FORM NO.

(See Regulation 37)

Application by depositor under section 58A (9)

Before the Company Law Board (..... Bench) In the matter of the Companies Act, 1956 (1
of 1956)

Section 58A

And

In the matter of (State the name of the Depositor-applicant)

and

In the matter of Limited (State the name of the company).

(i) Name and address of the Depositor-applicant :

(ii) Name of the company and address of its Registered Office :

(iii) Name(s) of Depositor(s) with full address :

(iv) Amount of Deposit :

(v) Fixed Deposit Receipt No. & Date
(Photostat copy to be enclosed).

(vi) Terms and Conditions of Deposit as also date of Maturity of Deposit :

(vii) Details of payment made, by the company, if any :

(viii) Actual amount due as on date of application (Principal/interest) :

(ix) Details of correspondence, if any, made between the company and the
Depositor (copy of correspondence to be enclosed) :

(x) Any other particular(s) as may be considered relevant :

The Depositor-applicant, therefore, prays :—

- (i) that the company, above-named be directed to make repayment of the aforesaid Deposit(s) alongwith interest due thereon in accordance with the Terms and Conditions of the Deposit;
- (ii) that such further orders be passed as the Company Law Board may deem fit in the circumstances of the case.

(Signature of the Depositor—applicant)

Place

Date

Notes :

1. The application shall be accompanied by a fee of Rupees Fifty by way of Bank Draft in favour of "The Pay and Accounts Officer, Department of Company Affairs, New Delhi/Bombay/Calcutta/Madras".
2. This application shall be made in duplicate.

Annexure-III

Documents to be attached with a petition

(See regulations 18 and 34)

Sl. No.	Section of the Act	Nature of petition	Enclosures to petition
1	2	3	4
1.	17(2)	Petition for confirming alteration in Memorandum of Association as to change of place of the registered office from one State to another or with respect to objects of a company.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Copy of the memorandum and articles of association. 2. Copy of the notice calling for the meeting with Explanatory Statement. 3. Copy of the Special Resolution sanctioning the alteration by the members of the company. 4. Copy of the minutes of the meeting at which the Special Resolution was passed. 5. Affidavit verifying the petition. 6. Bank draft evidencing payment of application fee. 7. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution of the executed Vakalatnama, as the case may be. <p>Copy of the latest audited balance sheet with the profit and loss account of the company with auditor's report and directors' report.</p> <ol style="list-style-type: none"> 9. Affidavit proving despatch and service of notice together with newspaper cuttings. 10. Affidavit verifying list of creditors as per regulation 36 (7). 11. Acknowledgement receipts from the Registrar of Companies/Regional Director and/or from the Chief Secretary of the State Government/Administrator, where applicable (See regulation 14(3)).
2.	18(4)	Application for extension of time for filing documents for registration of alteration.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Application supported by affidavit. 2. Bank draft evidencing payment of application fee.
3.	19	Application for revival of order made under Section 17.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Application duly supported by affidavit. 2. Bank draft evidencing payment of application fee.

1 2

3

4

4. 43	Petition praying for relief from consequences of failure to comply with conditions constituting it a private company.	1. Copy of the memorandum and articles of association. 2. Copy of the documents showing that the default has been committed in complying with the conditions laid down in clause (iii) of subsection (1) of section 3. 3. Affidavit verifying the petition. 4. Bank draft evidencing payment of application fee. 5. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
5. 49(10)	Petition to direct the company to allow an immediate inspection of Register of Investments, if the inspection is refused.	1. Documentary evidence, if any, showing the refusal on the part of the company to allow inspection of the Register of Investments. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be. 5. Any other relevant correspondence exchanged in the matter with the company. 6. Acknowledgement receipt from the Registrar of Companies (See Regulation 14(4)).
6. 58A (9)	Petition to direct the company to make repayment of the matured deposits.	1. Copy of the deposit receipt. 2. Copy of the correspondence exchanged with the company. 3. Bank Draft evidencing payment of application fee.
7. 79 (2)	Petition to sanction issue of shares at a discount.	1. Copy of the memorandum and articles of association. 2. Copy of the notice calling for the meeting with Explanatory Statement and the Resolution sanctioning issue. 3. Copy of the minutes of the meeting at which the resolution was passed. 4. Copies of the last three years audited balance sheets and profit and loss accounts, auditor's reports and directors' reports. 5. Affidavit verifying the petition. 6. Bank draft evidencing payment of application fee. 7. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
8. 89A (1) Proviso	Petition to give consent to the issue of further redeemable preference shares in lieu of irredeemable preference shares.	1. Copy of the memorandum and articles of association. 2. Documents showing the terms of issue of the existing preference shares. 3. Copy of the Board Resolution and resolution of general meeting for issue of further demarable preference shares.

1 2

3

4

9. 111

Petition for rectification of Register of Members on any ground including refusal of registration of transfer/transmission of shares/debentures by the company.

4. Copy of the latest audited balance sheet and profit and loss account of the company with auditors' report and directors' report.
5. Affidavit verifying the petition.
6. Bank draft evidencing payment of application fee.
7. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.

Where the Company is the petitioner

1. Copy of the memorandum and articles of association.
2. Latest audited balance sheet and profit and loss account, auditor's report and directors report.
3. Authenticated copy of the extract of the Register of Members.
4. Copy of the resolution of the Board or Committee of Directors (where applicable).
5. Any other relevant documents.
6. Affidavit verifying the petition.
7. Bank draft evidencing payment of application fee.
8. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
9. Two extra copies of the petition.

Where the petition is made by any other person :

1. Documentary evidence in support of the statements made in the petition including the copy of the letter written by the petitioner to the company for the purpose of registering the transfer of, or the transmission of the right to any shares or interest in, or debentures as also a copy of the letter of refusal of the company.
2. Copies of the documents returned by the company.
3. Any other relevant documents.
4. Affidavit verifying the petition.
5. Bank draft evidencing payment of application fee.
6. Memorandum of appearance with copy of the executed Vakalatnama.
7. Two extra copies of the petition.

10. 113(1)

Petition for extending the period for delivery of the certificates of debentures.

1. Copy of the letter of allotment issued by the company.
2. Copy of the instrument of transfer, if any.
3. Copies of the resolution of the Board allowing the transfer and/or seeking extension.
4. Affidavit verifying the petition.
5. Bank draft evidencing payment of application fee.
6. Copy of the latest audited balance sheet and profit and loss account together with auditor's report and director's report.
7. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.

1 2

3

4

11. 113(3)	Petition for non-compliance of sub-section (1) of Section 113 providing time limit for issue of share/debenture certificates.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Copy of the letter of allotment issued by the company. 2. Documentary evidence for the lodgment of shares or debentures for transfer, if any. 3. Copy of the notice served on the company requiring it to make good the default in complying with the requirement under sub-section (1) of Section 113. 4. Any other correspondence. 5. Affidavit verifying the petition. 6. Bank draft evidencing payment of application fee. 7. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
12. 118(3)	Petition for furnishing copy of trust deed to person requiring it.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Copy of the letter written to the company for the issue of trust deed. 2. Copy of the letter of refusal if any, issued by the company. 3. Affidavit verifying the petition. 4. Bank draft evidencing payment of application fee. 5. Memorandum of appearance with the copy of the executed Vakalatnama.
13. 141(1) and (3)	Petition for extension of time or condonation of delay in filing the particulars of a charge or modification of a charge or limitation of payment or satisfaction of a charge with the Registrar of Companies.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Copy of the agreement creating, modifying the charge, as the case may be. 2. Copy of the resolution envisaged by Section 292(1)(b) or (c) and Section 293(1)(a), as may be applicable. 3. Affidavit along with newspaper cuttings. 4. Affidavit verifying the petition. 5. Bank draft evidencing payment of application fee. 6. Memorandum of appearance with copy of Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
14. 144(4)	Petition to direct inspection of copies of instrument creating charge or register of charges.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary evidence, if any, showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with the copy of the executed Vakalatnama.
15. 163(6)	Petition to direct inspection of registers and returns or to furnish the copies thereof to the person requiring it.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary evidence, if any, showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with the copy of the executed Vakalatnama.
16. 167	Application for directing to call annual general meeting.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Affidavit verifying the application. 2. Bank draft evidencing payment of application fee.
17. 186	Application for ordering for calling of general meeting (other than annual general meeting).		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary Evidence in proof of status of the applicant. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with the copy of the executed Vakalatnama.

1	2	3	4
18. 188(5)	Application for order as to whether the rights conferred are being abused to secure needless publicity for defamatory matter and to order company's costs to be paid in whole or in part by the requisitionists.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Affidavit verifying the petition. 2. Bank draft evidencing payment of application fee. 3. Memorandum of appearance or duly executed Vakalatnama.
19. 196(4)	Petition to pass an order directing immediate inspection of minute books or directing a copy thereof be sent forthwith to person requiring it.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary evidence, if any, showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with copy of Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
20. 219(4)	Petition to pass an order directing that a copy of balance sheet and auditor's report demanded be furnished forthwith to person concerned.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary evidence, if any, showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
21. 225(3) Proviso	Petition to decide as to whether right of auditors to get their representation circulated and read out at meeting is being abused to secure needless publicity for defamatory matter and to order an application to be paid in whole or in part by retiring auditors.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary evidence, if any, showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
22. 235(2)	Petition to declare by an order that affairs of a company be investigated by inspector(s).		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary and/or other evidence in support of the statements made in the petition, as are reasonably open to the petitioner(s). 2. Documentary evidence in proof of the eligibility and status of the petitioner(s) with the voting power held by each of them. 3. Affidavit verifying the petition. 4. Bank draft evidencing payment of application fee. 5. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be. 6. Three extra copies of the petition.
23. 250	Complaint by any person for finding out facts about certain shares.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary evidence, if any, in support of the complaint. 2. Affidavit verifying the complaint. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance.
24. 284(4) proviso	Petition to decide as to whether the right of a director to get his representation circulated and read out at meeting is being abused to secure needless publicity for defamatory matter and to order company's costs on application to be paid in whole or in part by such director.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary evidence, if any, petition showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. 2. Affidavit verifying the petition. 3. Bank draft evidencing payment of application fee. 4. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.

1	2	3	4
25.	304(2)(b)	Petition to pass an order directing immediate inspection of register maintained under Section 303.	<ol style="list-style-type: none"> Documentary evidence, if any, showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. Affidavit verifying the petition. Bank draft evidencing payment of application fee. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be.
26.	307(9)	Petition to pass an order directing immediate inspection of register maintained under the section.	<ol style="list-style-type: none"> Documentary evidence, if any, showing the refusal of the company to give inspection to the petitioner. Affidavit verifying the petition. Bank draft evidencing payment of application fee. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution of the executed Vakalatnama, as the case may be.
27.	397, 398, 399(4), 400, 401, 402, 403, 404, 405.	Petition to exercise powers in connection with prevention of oppression and/or mismanagement.	<ol style="list-style-type: none"> Document and/or other evidence in support of the statements made in the petition, as are reasonably open to the petitioner(s). Documentary evidence in proof of the eligibility and status of the petitioner(s) with the voting power held by each of them. Where the petition is presented on behalf of members, the letter of consent given by them. Statement of particulars showing names, addresses, number of shares held and whether all calls and other monies due on shares have been paid in respect of members who have given consent to the petition being presented on their behalf. Where the petition is presented by any member or members authorised by the Central Government under section 399(4) the order of the Central Government authorising such member or members to present the petition shall be similarly annexed to the petition. Affidavit verifying the petition. Bank draft evidencing payment of application fee. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be. Three spare copies of the petition.
28.	407(1)(b)	Petition to grant leave for an appointment of Managing Director or manager whose agreement has been terminated or set aside provided notice has been served on Central Government.	<ol style="list-style-type: none"> Documentary and/or other evidence in support of the statements made in the petition, as are reasonably open to the petitioner(s). Documentary evidence in proof of the eligibility and status of the petitioner(s) with the voting power held by each of them. Where the petition is presented on behalf of members, the letter of consent given by them. Statement of particulars showing names, addresses, number of shares held and whether all calls and other monies due on shares have been paid in respect of members who have given consent to the petition being presented on their behalf. Whether the petition is presented by any member or members authorised by the Central Government under section 399(4), the order of the Central Government authorising such member or members to present the petition shall be similarly annexed to the petition.

1	2	3	4
29. 408(1), (2) and (5)	Petition to decide whether it is necessary to appoint Government directors on the Board of directors and to advise Central Government accordingly.		<ol style="list-style-type: none"> 6. Affidavit verifying the petition. 7. Bank draft evidencing payment of application fee. 8. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be. <ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary and/or other evidence in support of the statements made in the petition as are reasonably open to the petitioner(s). 2. Documentary evidence in proof of the eligibility and status of the petitioner(s) with the voting power held by each of them. 3. Affidavit verifying the petition. 4. Bank draft evidencing payment of application fee. 5. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be. 6. Three spare copies of the petition.
30. 409(1)	Petition to prevent change in Board of Directors likely to affect company prejudicially.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Documentary and/or other evidence in support of the statements made in the petition, as are reasonably open to the petitioner(s). 2. Documentary evidence in proof of the eligibility and status of the petitioner(s) with the voting power held by each of them. 3. Affidavit verifying the petition. 4. Bank draft evidencing payment of application fee. 5. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama as the case may be. 6. Three extra copies of the petition.
31. 614(1)	Petition to pass an order directing a company to make good the default from its failure to make returns etc. to the Registrar of Companies.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Copy of the notice served on the company to make good the default. 2. Documentary evidence as to the service of notice. 3. Affidavit verifying the petition. 4. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be. 5. Bank draft evidencing payment of application fee.
32. 22A(4)(C) of the Securities Act.	Reference to issue of direction for registration/non-registration of securities.		<ol style="list-style-type: none"> 1. Instrument of transfer and other documents accompanying the transfer lodged with the company. 2. Copies of correspondence exchanged with the transferor/transferee/Stock broker/concerned stock exchange. 3. Authenticated copy of the lodgment of instrument of transfer with the company. 4. Notice given to the transferor/transferee under clause (b) of sub-section (4) of Section 22A of the Securities Act. 5. Resolution of the Board of directors giving reasons for refusal to register the transfers. 6. Three copies of the memorandum and articles of association and latest audited balance sheet and profit and loss account of the company. 7. Affidavit verifying the petition.

1 2

3

4

**33. 2A of the
Monopolies Act.**

Petition for determination of any question of group interconnection or same management in accordance with the provisions of Section 2A of the Monopolies Act.

8. Bank draft evidencing payment of application fee.
9. Memorandum of appearance with copy of the Board Resolution or executed Vakalatnama.
10. Two extra copies of reference.
1. Documentary evidence in of the statements made in the petition, as are reasonably open to the petitioner(s).
2. Affidavit verifying the petition.
3. Bank draft evidencing payment of application fee.
4. Three extra copies of the petition.

Note : Copy of each document, as specified above, should be authenticated or certified to be true copy.

